

स्थापित-1982

# बिहार राज्य विश्वविद्यालय कर्मचारी महासंघ



प्रदेश अध्यक्ष

**शंकर यादव**

एल.एन.एम.यू. दरभंगा।

मो- 9430996453 / 8271191632

पटना- 800005 (बिहार)

(अखिल भारतीय विश्वविद्यालय कर्मचारी महासंघ, नई दिल्ली)

पंजीयन-97/82

प्रदेश कार्यालय-अखिलेश नगर, पश्चिमी रोड नं०-2,  
घाना-बाइपास, पोस्ट-झाउगंज, पटना-800006, मो-7543042345

Email-info@bsuef.org

website: www.bsuef.org



प्रदेश महासचिव

**राघवेंद्र कुमार**

बी०आर०एम०यू०, मुजफ्फरपुर

मो-9973358168

♦ उपाध्यक्ष ♦

**डॉ० दीलिप कुमार गुप्ता**पटना विश्वविद्यालय, पटना  
मो- +91-7631696569**डॉ० सरोज कुमार सिंह**जयप्रकाश विश्वविद्यालय, छपरा  
मो- +91- 9939745814

♦ कापाध्यक्ष ♦

**जगाव मंजर इमाम**बी.कू. सिंह विश्वविद्यालय, आरा  
मो- +91- 9931062586

♦ संपादन मंत्री ♦

**डॉ० दिनेश कुमार दिनकर**मगध विश्वविद्यालय, बोधगया  
मो- +91-9308596371**सुनील कुमार सिंह**कामेश्वर सिंह संस्कृत विश्वविद्यालय  
दरभंगा  
मो- +91-9472698751/7979897929**रंजन कुमार**बी.आर.ए.बी.यू., मुजफ्फरपुर  
मो.- +91- 9472003662**डॉ० राजेश्वर राय**बी.एन. मंडल विश्वविद्यालय, मधेपुरा  
मो- +91-9431413716**डॉ० रविन्द्र कुमार मिश्र**कामेश्वर सिंह संस्कृत विश्वविद्यालय  
दरभंगा। मो- +91- 8797275807**सुरेश कुमार चौधरी**तिलका मांक्षी विश्वविद्यालय, भागलपुर  
मो- +91-9973542172

♦ प्रवक्ता ♦

**गीरव**बी.आर.ए.बी.यू., मुजफ्फरपुर  
मो- +91-9123469271**मो० नसीम अख्तर**सह प्रवक्ता ( पटना क्षेत्र )  
मौलाना अबुलकलाम आझादी फारसी विश्वविद्यालय  
पटना, मो- +91-7250267712

♦ संयुक्त कापाध्यक्ष ♦

**सैय्यद शाहिद नक़वी**मौलाना अबुलकलाम आझादी फारसी विश्वविद्यालय  
पटना, मो- +91-7488449803

पत्रांक 105 P / 2021 / 213 / Patna ①

सेवा में,

माननीय प्रधानमंत्री महोदय,  
भारत सरकार, नई दिल्ली।

विषय:- राजभवन के आदेश के वित्तीय अनियमितता एवं भ्रष्टाचार के मामले में अभियोजित एवं चार्जशीट डेड डॉ० रविप्रकाश बबलू को जयप्रकाश विश्वविद्यालय छपरा के कुलसचिव पद से अविलंब हटाने के संबंध में।

महाशय,

उपर्युक्त विषय के संबंध में सादर निवेदित करना है कि:-

1) राजभवन के पत्रांक बी०एस०यू० (रजिस्टार) -27/2017/698-जी०एस०(1) दिनांक 19.05.2021 के द्वारा विश्वविद्यालय के एकेडमिक एवं प्रशासनिक हित का हवाला देते हुए डॉ० रविप्रकाश बबलू एसोसिएट प्रोफेसर, दर्शनशास्त्र विभाग, हरिराम कॉलेज, मैरवा, सिवान को जयप्रकाश विश्वविद्यालय, छपरा का कुलसचिव नियुक्त किया गया (अनुलग्नक 1) और डॉ० रविप्रकाश बबलू ने उक्त आदेश के आलोक में 19.05.2021 को ही कुलसचिव के पद पर योगदान भी कर लिया (अनुलग्नक 2)। विदित हो कि डॉ० रविप्रकाश बबलू जयप्रकाश विश्वविद्यालय छपरा में करोड़ों ₹० की उत्तर पुस्तिका खरीद घोटाले से संबंधित निगरानी थाना कांड सं०- 10/2015 दिनांक 30.01.2015 द्वारा धारा - 409,420,467,468, 477(A), 34,120(B) तथा भ्रष्टाचार निरोधक अधिनियम, 1988 के धारा 13(1) D तथा 13 (2) तहत निगरानी अन्वेषण ब्यूरो, पटना द्वारा दर्ज मुकदमें के अभियुक्त हैं। भ्रष्टाचार के इस चर्चित मामले में निगरानी अन्वेषण ब्यूरो, पटना के अनुरोध पर तत्कालीन कुलाधिपति महामहिम रामनाथ कोविन्द जी (वर्तमान में भारत के राष्ट्रपति) की अनुमति से तत्कालीन प्रधान सचिव श्री ब्रजेश महरोत्रा ने अपने पत्रांक जे०पी०यू० 27/2015-1309 रा०स०(1) दिनांक 10.09.2015 के द्वारा इस कांड के अन्य अभियुक्तों (तत्कालीन कुलपति सहित) के साथ डॉ० रविप्रकाश बबलू जी उस समय विश्वविद्यालय में समायोजक, महाविद्यालय विकास परिषद के पद पर थे, के विरुद्ध भ्रष्टाचार का आरोप सही पाते हुए अभियोजन की स्वीकृत प्रदान किया (अनुलग्नक 3)।

2) राजभवन से अभियोजन की स्वीकृत मिलने के उपरांत निगरानी अन्वेषण ब्यूरो ने निगरानी कोर्ट, मुजफ्फरपुर में दिनांक 12.10.2015 को अन्य अभियुक्तों के साथ डा० रविप्रकाश बबलू के विरुद्ध आरोप पत्र सं० (चार्जशीट) 64/15 समर्पित किया (अनुलग्नक 4)। वर्तमान समय में डॉ० बबलू जमानत पर है और मुकदमा जारी है।

3) वित्तीय अनियमितता एवं भ्रष्टाचार के उक्त मामले में डॉ० आर०पी० बबलू के साथ तत्कालीन कुलपति प्रो० द्विजेन्द्र गुप्ता भी अभियुक्त थे और निगरानी अन्वेषण ब्यूरो ने राजभवन से उनके विरुद्ध अभियोजनकी स्वीकृत मिलने के उपरांत निगरानी कोर्ट में आरोप पत्र दायर किया (अनुलग्नक 5,6)। निगरानी अन्वेषण ब्यूरो द्वारा आरोप पत्र समर्पित करने के उपरांत तत्कालीन राज्यपाल सह कुलाधिपति महामहिम रामनाथ कोविन्द ने राजभवन सचिवालय के पत्रांक जे०पी०यू०-21/2014-1628/जी०एस०(1)दिनांक 02.12.2015 द्वारा तत्कालीन कुलपति प्रो० द्विजेन्द्र गुप्ता को कुलपति पद से बर्खास्त कर दिया (अनुलग्नक 7)। मामले की गंभीरता इस बात से परिलक्षित होती है कि बिहार में उच्च शिक्षा के इतिहास में पहली बार किसी कुलपति को भ्रष्टाचार एवं वित्तीय अनियमितता एवं भ्रष्टाचार के प्रमाणित आरोप में बर्खास्त किया गया। इतना ही नहीं वित्तीय अनियमितता एवं भ्रष्टाचार के मामले में कुलपति को सहयोग करने वाले शिक्षकों :पदाधिकारियों को बिहार राज्य वि०वि० अधिनियम:1976 की धारा 69(4) के तहत राजभवन के आदेश पर निलंबित कर स्थानांतरित कर दिया गया। इसी क्रम में डा० रविप्रकाश बबलू को निलंबित कर आ०बी०जी०आर० कॉलेज, महाराजगंज से हरिराम महाविद्यालय, मैरवा, सिवान स्थानांतरित कर दिया गया और तबसे डा० बबलू वहीं पदस्थापित हैं (अनुलग्नक 8,9)।

4) डा० बबलू कई आपराधिक मामलों के आरोपी रहे हैं। भ्रष्टाचार के मामले में बर्खास्त पूर्व कुलपति प्रो० द्विजेन्द्र गुप्ता के विश्वासपात्र होने की वजह से डा० बबलू प्रभारी कुलसचिव सहित कई पदों पर आसीन थे और इनकी निरंकुशता इतनी बढ़ गई थी कि वे राजभवन के

दिनांक 06/01/2022

6/1/2022

आदेश को भी नहीं मानते थे। राजभवन के आदेशों की लगातार अवमानना एवं अनुशासनहीनता की वजह से महामहिम ने डा0 रविप्रकाश बबलू का स्थानांतरण दर्शनशास्त्र विभाग, जयप्रकाश विश्वविद्यालय छपरा से पैतृक महाविद्यालय आर0बि0जी0आर0 कॉलेज महाराजगंज कर दिया था(अनुलग्नक 10)। इनके क्रिया कलापों से नराज राजभवन ने इन्हें दो बार प्रभारी कुल सचिव सहित तमाम पदों से मुक्त करने का आदेश कुलपति को दिया था(अनुलग्नक 11)।

5) डा0 रविप्रकाश बबलू ने राजभवन के स्थानांतरण आदेश को पटना उच्च न्यायालय में सीडब्लूजेसी न0 943/2015 के द्वारा चुनौती भी दिया था लेकिन जयप्रकाश विश्वविद्यालय प्रशासन द्वारा इनके आपराधिक इतिहास, भ्रष्टाचार एवं अनुशासनहीनता संबंधी ब्योरा जबाबी हलफनामा के माध्यम से न्यायालय के समक्ष सप्रमाण प्रस्तुत किया तो इन्होंने अपना मुकदमा वापस ले लिया (अनुलग्नक 12)। जो एक प्रकार से प्रमाण है कि डा0 बबलू का इतिहास दामदार रहा है एवं ये भ्रष्टाचार में पूर्णतः सम्मिलित रहें है।

6) इस तरह राजभवन की अनुमति एवं निर्देशों पर वित्तीय अनियमितता एवं भ्रष्टाचार के मामले में अभियोजित एवं चार्जशीट ड डा0 रविप्रकाश बबलू को पुनः राजभवन द्वारा कुलसचिव पद पर नियुक्त करने से विश्वविद्यालय के शिक्षक, कर्मचारी छात्र संघ एवं बुद्धिजीवी विस्मित, हतप्रभ एवं मर्माहत है। विश्वविद्यालयों में वित्तीय अनियमितता एवं भ्रष्टाचार के मामलों में राजभवन की नीति एवं रवैया जीरो टालरेंस की रही है। ऐसा प्रतीत होता है कि राजभवन सचिवालय के अधिकारियों ने महामहिम के समक्ष डा0 रविप्रकाश बबलू से जुड़े भ्रष्टाचार एवं आपराधिक मामलों से संबंधित संचिका को अवलोकन हेतु प्रस्तुत नहीं कर तथ्यों को छिपाया और इस तरह का अवैध एवं अनुचित निर्णय लिया गया। राजभवन के इस निर्णय से उच्च शिक्षा की सुविधा एवं गरिमा को तो चोट पहुँची ही है और राजभवन की छवि भी धुमिल हुई है। जिससे बिहार सरकार एवं शिक्षा विभाग की भी छवि पर आघात हुआ है।

7) यहां यह कहना भी प्रासंगिक प्रतीत होता है कि भ्रष्टाचार के मामले में पी0एम0ओ0 कार्यालय की जीरो टालरेंस की नीति के कारण इस महासंघ को एक उम्मीद जगी है कि इन सभी तथ्यों के सञ्ज्ञान में आने के बाद पी0एम0ओ0 कार्यालय द्वारा त्वरित कारवाइ की जाएगी तथा ऐसे भ्रष्ट, निरंकुश पदाधिकारी को उनके मूल पद पर भेजने की दिशा में प्रभावकारी पहल की जाएगी। महोदय, जयप्रकाश विश्वविद्यालय छपरा में व्याप्त भ्रष्टाचार को उजागर करने में संलिप्त पदाधिकारी, शिक्षक एवं कर्मचारी आज की तिथि में इनके निशाने पर हैं तथा ऐसे पदाधिकारियों शिक्षकों एवं कर्मचारियों को मानसिक यातना जैसे बिना किसी सो-कॉज के निलम्बित करना तथा एक संवर्ग से दूसरे संवर्ग में सुदूर देहात में स्थानांतरण कर देने का कार्य बदस्तुर जारी है। इसको लेकर महासंघ ने आंदोलन की चेतावनी दी है किन्तु ऐसे व्यक्ति के मनोभाव में कोई परिवर्तन नहीं है। इनकी वर्तमान नियुक्ति(कुलसचिव के पद पर) के उपरान्त इनके क्रियाकलापों सहित अवैध रूप से अर्जित सम्पत्ति की भी जाँच नितान्त आवश्यक है।

इस संबंध में महामहिम राज्यपाल सह कुलाधिपति महोदय को कारवाइ हेतु स्वप्रमाण आवेदन समर्पित किया जा चुका है लेकिन आज तक कोई कारवाइ नहीं कि गई है। इससे कर्तव्यनिष्ठ एवं इमानदार शिक्षक, पदाधिकारी एवं कर्मचारीयों के मनोबल पर बुरा प्रभाव पर रहा है।

अतः उपर्युक्त तथ्यों के आलोक में माननीय प्रधानमंत्री महोदय जी से निवेदन है कि वित्तीय अनियमितता एवं भ्रष्टाचार के मामलों में अभियोजित एवं चार्जशीट ड डा0 रविप्रकाश बबलू कुलसचिव जयप्रकाश विश्वविद्यालय छपरा को अविलंब बर्खास्त करने हेतु महामहिम को समुचित निर्देश देने की महती कृपा की जाए तथा इनके द्वारा अवैध रूप से अर्जित संपत्ति की उपयुक्त एजेंसी से जाँच कराने हेतु आवश्यक निर्देश आपेक्षित है ताकि भ्रष्टाचार की मामले में जीरो टालरेंस की नीति जयप्रकाश विश्वविद्यालय छपरा में प्रभावकारी हो सके।

आपका,  
कुलपति डा0 अशोक कुमार मिश्र (आर) (आर)  
छपरा में (आर)।

भवदीय  
प्रदेश महासचिव 06/01/2022

फॉन नं० 95912022/212 | Patna दिनांक 06/01/2022.

- प्रतिलिपि:-
1. महामहिम राष्ट्रपति के प्रधान सचिव, राष्ट्रपति भवन नई दिल्ली।
  2. माननीय गृहमंत्री, भारत सरकार नई दिल्ली।
  3. माननीय शिक्षामंत्री, भारत सरकार नई दिल्ली।
  4. महामहिम कुलाधिपति सह राज्यपाल राजभवन पटना।
  5. माननीय मुख्यमंत्री, बिहार सरकार पटना।
  6. माननीय शिक्षामंत्री, बिहार सरकार पटना।
  7. माननीय प्रधान सचिव, शिक्षा विभाग(30शिव) बिहार सरकार पटना को सूचनाार्थ एवं आवश्यक कारवाइ हेतु अग्रसारित।

आपका,  
आर।

प्रदेश महासचिव 06/01/2022



# जय प्रकाश विश्वविद्यालय

राहुल सांकृत्यायन नगर, छपरा - 841301, बिहार ; भारत,

**JAI PRAKASH UNIVERSITY**

RAHUL SANKRITYAYAN NAGAR, CHAPRA-841301, BIHAR (INDIA)  
Tel.No.06152-233121(O) 233509(R) FAX- 06152-233507(O)

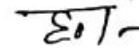
Letter No. 4570-Est-I

Dated:- 19/05/2021

## कार्यालय आदेश

महामहिम राज्यपाल-सह-कुलाधिपति के संयुक्त सचिव, राज्यपाल सचिवालय, राजभवन, बिहार, पटना के ज्ञापांक-BSU(Registrar)-27/2017-698/GS (1), दिनांक-19.05.2021 के आलोक में डॉ० रवि प्रकाश "बबलू" एसोसिएट प्रोफेसर, दर्शनशास्त्र विभाग, एच०आर० कॉलेज, मैरवा, सिवान के द्वारा जय प्रकाश विश्वविद्यालय, छपरा में कुलसचिव के पद पर दिनांक 19.05.2021 के अपराहन में अपना योगदान कर लिया है।

माननीय कुलपति महोदय के आदेश से


  
कुलसचिव

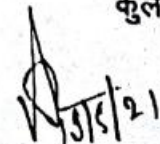
ज्ञापांक:- 4570-Est-I दिनांक: 19/05/2021

प्रतिलिपि:-

1. डॉ० रवि प्रकाश "बबलू" एसोसिएट प्रोफेसर, दर्शनशास्त्र विभाग, एच०आर० कॉलेज, मैरवा, सिवान।
2. कर्नल श्यामा नन्द झा, निर्यतमान कुलसचिव, जय प्रकाश विश्वविद्यालय, छपरा।
3. सचिव, राज्यपाल सचिवालय, राजभवन बिहार, पटना।
4. संयुक्त सचिव, राज्यपाल सचिवालय, राजभवन बिहार, पटना।
5. सचिव, विश्वविद्यालय अनुदान आयोग बहादुरशाह जफर मार्ग, नई दिल्ली।
6. प्रधान सचिव, उच्च शिक्षा, शिक्षा विभाग, बिहार सरकार, पटना।
7. निदेशक, उच्च शिक्षा, शिक्षा विभाग, बिहार सरकार, पटना।
8. सभी संकायाध्यक्ष/विभागाध्यक्ष, जय प्रकाश विश्वविद्यालय, छपरा।
9. सभी प्रचार्य/प्रभारी प्रचार्य, अंगीभूत महाविद्यालय एवं सम्बद्ध महाविद्यालय, जय प्रकाश विश्वविद्यालय, छपरा।
10. शाखा प्रबंधक, सभी खाताधारी बैंक, जय प्रकाश विश्वविद्यालय, छपरा।
11. सभी पदाधिकारीगण/प्रशाखा पदाधिकारी/सहायक, जय प्रकाश विश्वविद्यालय, छपरा।
12. माननीय कुलपति/प्रति-कुलपति/वित्त परामर्शी/कुलसचिव के निजी सहायक, जय प्रकाश विश्वविद्यालय, छपरा।

को सूचनार्थ एवं आवश्यक कार्रवाई हेतु प्रेषित।

  
19.05.2021  
कुलसचिव



**NOTIFICATION**

Dated- 19.05.2021

No. BSU(Registrar) 27/2017- 698 /GS(I) Consequent upon completion of period of more than three years of Col. Shyama Nand Jha initially appointed vide this Secretariat letter no. BSU- 27/2017- 961/GS (I) dated- 02.04.2018 as Registrar, Veer Kunwar Singh University, Ara and currently working as Registrar, Jai Prakash University, Chapra the Hon'ble Chancellor, after due consideration in academic and administrative interest of the University has been pleased to order to appoint Dr. Ravi Prakash "Babloo" Associate Professor, Dept. of Philosophy, H. R. College Mairwa, Jai Prakash University, Chapra to perform the duties of the Registrar, Jai Prakash University, Chapra in place of Col. Shyama Nand Jha with immediate effect until further orders.

Further necessary action may please be taken accordingly.

By the order of the Hon'ble Chancellor,


**Sd/-**

(Raj Kumar Sinha, IAS)  
Joint Secretary

Memo No.- BSU(Registrar)-27/2017- 698 /GS(I), Dated - 19.05.2021

Copy forwarded to:

1. Dr. Ravi Prakash "Babloo" Associate Professor, Dept. of Philosophy, H. R. College Mairwa, Jai Prakash University, Chapra for information and necessary action.
2. Col. Shyama Nand Jha for information and necessary action.
3. The Vice-Chancellor, Jai Prakash University, Chapra / Principal, H. R. College Mairwa for information and necessary action.
4. PS to Governor/ PS to Secretary, Governor's Secretariat, Bihar/ PRO/PSG/ /Guard File, Raj Bhawan, Patna for information.

  
(Raj Kumar Sinha, IAS)  
Joint Secretary



राज्यपाल सचिवालय, बिहार

राजभवन, पटना-800022

संख्या-जे०पी०यू-27/2015-1309/सं.स(1),

दिनांक 10-09-2015

प्रेषक,

ब्रजेश मेहरोत्रा  
राज्यपाल के प्रधान सचिव, बिहार  
राजभवन, पटना।

सेवा में,

पुलिस अधीक्षक,  
निगरानी अन्वेषण ब्यूरो  
बिहार, पटना।

See  
9.09.2015  
13:10"5

विषय:-निगरानी थाना कांड सं०-010/2015, दिनांक 30.01.2015  
धारा-409/420/467/468/477(ए)/34/120(बी)भा०द०वि० एवं  
धारा-13(2) सह-पठित धारा-13(1)(डी)अ०नि०अधि०, 1988 के  
अभियुक्त डा० रवि प्रकाश बबलू, समायोजक, महाविद्यालय विकास  
परिषद, सम्प्रति एसोसिएट प्रोफेसर, स्नातकोत्तर, दर्शन शास्त्र  
विभाग, जय प्रकाश विश्वविद्यालय, छपरा के विरुद्ध धारा 19  
अ०नि०अधि०, 1988 एवं धारा-197 द०प्र०स० के प्रावधानों के  
तहत अभियोजन स्वीकृति हेतु प्रस्ताव।

महोदय,

निदेशानुसार उपर्युक्त विषयक विभागीय पत्रांक-एस०आर०  
-010/2015-निग०-1227/अप०शा०, दिनांक 10.07.2015 के संदर्भ  
में सूचित करना है कि महामहिम राज्यपाल सह-कुलाधिपति, बिहार द्वारा  
निगरानी विभाग (अन्वेषण ब्यूरो), बिहार सरकार से प्राप्त प्रस्ताव पर  
सम्यक विचारोपरान्त निगरानी थाना कांड सं०-010/2015, दिनांक  
30.01.2015 धारा-409/ 420/ 467/ 468/ 477(ए)/34/  
120(बी)भा०द०वि० एवं धारा-13(2) सह-पठित धारा-13(1)(डी)  
अ०नि०अधि०, 1988 के अभियुक्त डा० रवि प्रकाश बबलू, समायोजक,  
महाविद्यालय विकास परिषद, सम्प्रति एसोसिएट प्रोफेसर, स्नातकोत्तर,  
दर्शन शास्त्र विभाग, जय प्रकाश विश्वविद्यालय, छपरा के विरुद्ध धारा  
19 अ०नि०अधि०, 1988 एवं धारा-197 द०प्र०स० के प्रावधानों के  
तहत अभियोजन की स्वीकृति देने की कृपा की गयी है।

अतः तदनुसार अग्रेतर कार्रवाई की जाय एवं कृत कार्रवाई से  
इस सचिवालय को माननीय कुलाधिपति महोदय के सूचनार्थ अवगत  
कराने की कृपा की जाय।

विश्वासभाजन

(ब्रजेश मेहरोत्रा) 9/9/15

राज्यपाल के प्रधान सचिव, बिहार  
राजभवन, पटना।



395 386  
133

मिफराकी (भाग) कोड - 10/2015 - C.S.N. - 64/2015 dt. 12-10-15

11. आरोप पत्रित अभियुक्तों की विशिष्टता (हरेक अभियुक्त के लिए अलग पन्ना उपयोग में लायें)

- (1) नाम डा. रवि प्रकाश कश्यप ..... स्थापित है या नहीं - हां
- (2) पिता/पति का नाम.....
- (3) जन्म तिथि/वर्ष.....
- (4) लिंग पुरुष ..... (5) राष्ट्रीयता भारतीय Serial  
9125/14/15  
12-10-15
- (6) पारपत्र संख्या-..... निर्गम की तिथि.....
- (7) धर्म हिन्दू ..... (8) क्या अनुजाति/अनुजजाति के हैं.....
- (9) पेशा समाजिक कार्यकर्ता पता अ. प्रकाश विश्वविद्यालय
- (11) औपचारिक आपराधिक संख्या दिल्ली पुलिस
- (12) नियमित आपराधिक संख्या-
- (13) गिरफ्तारी की तिथि-
- (14) जमानत पर रिहा होने की तिथि-
- (15) न्यायालय में अग्रसारण की तिथि-
- (16) किन अधिनियमों एवं धाराओं के अधीन-
- (17) जमानतदार/प्रतिभूतिदाता का नाम एवं पता-
- (18) केश निर्देशों सहित पूर्व दोष सिद्धि-
- (19) अभियुक्त की परिस्थिति- अग्रसारित/पुलिस द्वारा जमानत पर रिहा/न्यायालय द्वारा जमानत पर रिहा/न्यायिक अभिरक्षा में/फरार/उदघोषित अपराधी-

न्यायालय द्वारा जमानत  
दिल्ली पुलिस

1  
12/10/15



237014  
14/10/15

14/10/15

14/10/15

14/10/15

14/10/15

### संक्षेपणी

निगरानी धाना काण्ड संख्या-  
आरोप पत्र संख्या एवं तिथि-

010/2015, दिनांक-30.01.15,  
64/15, 12.10.15

Seen

13/10/15

यह काण्ड श्री रामकृष्ण पोद्दार, पुलिस उपाधीक्षक, निगरानी अन्वेषण ब्यूरो, पटना के नेतृत्व में गठित जाँचदल द्वारा समर्पित जाँच प्रतिवेदन दिनांक-27.01.15 के आधार पर समीक्षोपरान्त दर्ज किया गया है। प्राथमिकी का सारांश यह है कि परिवारी श्री विश्वजीत कुमार चंदेल द्वारा निगरानी अन्वेषण ब्यूरो, पटना के पास परिवार पत्र एवं शपथ पत्र भेजा गया जिसके आलोक में जाँच कराये जाने पर पाया गया कि प्रो० दिजेन्द्र गुप्ता, कुलपति, जयप्रकाश विश्वविद्यालय, छपरा, जो इलाहाबाद के रहने वाले हैं तथा जिन्होंने कुलपति का पदभार ग्रहण करने के पश्चात विश्वविद्यालय की परीक्षा संचालन करने हेतु पर्याप्त मात्रा में लगभग 4,34,579/- (चार लाख चौतीस हजार पाँच सौ उन्नासी) उत्तर पुस्तिका स्टॉक में रहते हुए प्राथमिकी एवं अप्राथमिकी के अभियुक्तों साथ आपराधिक षडयंत्र कर एवं अपने पद का भ्रष्ट दुरुपयोग करते हुए सदोष लाभ पाने तथा जयप्रकाश विश्वविद्यालय, छपरा को सदोष हानि पहुँचाने की नीयत से इलाहाबाद के एक प्रतिष्ठान चन्द्रकला यूनिवर्सल प्रा०लि० को बगैर निविदा आमंत्रित किये ही अधिक कीमत पर उत्तर पुस्तिका की आपूर्ति तथा गोपनीय छापाई का आदेश दिया एवं इसी क्रम में नियमों का उल्लंघन कर 1,44,88,549/- (एक करोड़ चौवालिस लाख अठ्ठासी हजार पाँच सौ उनचास) रुपये का भुगतान किया गया है।

अनुसंधानोपरान्त पाया गया कि इस काण्ड के प्राथमिकी/अप्राथमिकी अभियुक्त

- (1) श्री द्विजेन्द्र गुप्ता, कुलपति जय प्रकाश विश्वविद्यालय, छपरा, (2) श्री दिवागंधु कुमार, तत्कालीन परीक्षा निरंत्रक, सम्प्रति एसोसिएट प्रोफेसर, जय प्रकाश विश्वविद्यालय, छपरा, (3) श्री गोपाल प्रसाद आर्या, तत्कालीन निदेशक, परीक्षा, सम्प्रति एसोसिएट प्रोफेसर स्नाकोत्तर मनोविज्ञान विभाग, जय प्रकाश विश्वविद्यालय, छपरा, (4) डॉ० अनिता, स्नाकोत्तर हिन्दी विभाग, जय प्रकाश विश्वविद्यालय, छपरा, (5) डॉ० अनीत कुमार तिवारी, स्नाकोत्तर अर्थशास्त्र, जय प्रकाश विश्वविद्यालय, छपरा, (6) प्रोफेसर सरोज कुमार वर्मा, स्नाकोत्तर राजनीति शास्त्र विभाग, जय प्रकाश विश्वविद्यालय, छपरा, (7) डॉ० विजय प्रताप कुमार, तत्कालीन कुलसचिव, जय प्रकाश विश्वविद्यालय, छपरा, सम्प्रति आर०बी०जी०आर० कॉलेज महाराजगंज, सीवान, (8) प्रो० अनिल कुमार, तत्कालीन कुलसचिव, सम्प्रति ओ०एस०डी० (वित्त एवं परीक्षा) जय प्रकाश विश्वविद्यालय, छपरा, (9) डा० रविप्रकाश बबलु, तत्कालीन समायोजक, महाविद्यालय विकास परिषद, सम्प्रति एसोसिएट प्रोफेसर, दर्शनशास्त्र विभाग, जय प्रकाश विश्वविद्यालय, छपरा, (10) श्री ब्रजकिशोर सिंह, अधिषद सदस्य सम्प्रति पुस्तकालयाध्यक्ष, जगदम्ब कॉलेज छपरा, (11) श्री सोनेलाल सहनी, वित्त पदाधिकारी (12) श्री प्यारे मोहन सहाय, वित्तीय परामर्शी एवं (13) श्री सुशान्त दीक्षित, निदेशक चन्द्रकला यूनिवर्सल प्रा०लि०, इलाहाबाद के विरुद्ध प्राथमिकी की धाराओं में आरोप का साक्ष्य पाया गया है।

अनुसंधान में पाया गया कि महामहिम गवर्नर बिहार, पटना के पत्रांक-बी०एस०यू०-25/84-8965-जी०एस० (1) दिनांक-20.12.86 के माध्यम से बिहार के सभी विश्वविद्यालय के कुलपतियों को आदेश दिया गया था कि बिहार अर्न्तविश्वविद्यालय बोर्ड अधिनियम 1981 की धारा-5(2) का अनुपालन करते हुए कच एवं विद्यय समिति का गठन किया जाय। इस अधिनियम के तहत कच एवं विद्यय समिति में विश्वविद्यालय के कुलपति पदेन

14/10/15

Seen

9/10/15

अध्यक्ष होंगे तथा वित्तीय सलाहकार एवं सिंडिकेट द्वारा घयनित तीन सदस्य होंगे साथ वित्तीय पदाधिकारी सदस्य सचिव का कार्य करेंगे। उपरोक्त प्राथमिकी एवं अप्राथमिकी अभियुक्तों द्वारा उक्त अधिनियम का अनुपालन नहीं किया गया इसके अलावे बिहार वित्त नियमावली में दिये गये प्रावधान तथा बिहार वित्त संशोधन नियमवाली 2005 के नियम 124 से 131 तक के प्रावधानों का उल्लंघन किया गया एवं मनमानी प्रविष्टि कर पद का भ्रष्ट दुरुपयोग करते हुए अपने हित में अभिलेख का सृजन किया गया।

इस काण्ड के प्राथमिकी/अप्राथमिकी अभियुक्तों (1) श्री द्विजेन्द्र गुप्ता, कुलपति जय प्रकाश विश्वविद्यालय, छपरा, (2) श्री दिवान्धु कुमार, तत्कालीन परीक्षा नियंत्रक, सम्प्रति एसोसिएट प्रोफेसर, जय प्रकाश विश्वविद्यालय, छपरा, (3) श्री गोपाल प्रसाद आर्या, तत्कालीन निदेशक, परीक्षा, सम्प्रति एसोसिएट प्रोफेसर स्नाकोत्तर मनोविज्ञान विभाग, जय प्रकाश विश्वविद्यालय, छपरा, (4) डॉ० अनिता, स्नाकोत्तर हिन्दी विभाग, जय प्रकाश विश्वविद्यालय, छपरा, (5) डॉ० अजीत कुमार तिवारी, स्नातकोत्तर अर्थशास्त्र, जय प्रकाश विश्वविद्यालय, छपरा, (6) प्रोफेसर सरोज कुमार वर्मा, स्नातकोत्तर राजनीति शास्त्र विभाग, जय प्रकाश विश्वविद्यालय, छपरा, (7) डॉ० विजय प्रताप कुमार, तत्कालीन कुलसचिव, जय प्रकाश विश्वविद्यालय, छपरा, सम्प्रति आर०बी०जी०आर० कॉलेज महाराजगंज, सीयान, (8) प्रो० अनिल कुमार, तत्कालीन कुलसचिव, सम्प्रति ओ०एस०डी० (वित्त एवं परीक्षा) जय प्रकाश विश्वविद्यालय, छपरा, (9) डा० रविप्रकाश बबलु, तत्कालीन समायोजक, महाविद्यालय विकास परिषद, सम्प्रति एसोसिएट प्रोफेसर, दर्शनशास्त्र विभाग, जय प्रकाश विश्वविद्यालय, छपरा के विरुद्ध अभियोजन स्वीकृत्यादेश प्राप्त है। अतः उपलब्ध साक्ष्य के आधार पर उपरोक्त सभी नौ लोकसेवक एवं गैर लोकसेवक श्री सुशान्त दिक्षित, निदेशक चन्द्रकला यूनिवर्सल प्रा०लि० के विरुद्ध धारा-13(2) सहपठित धारा-13(4)(डी) भ०नि०अधि०, 1988 एवं धारा-409/420/467/468/477(ए)/34/120(बी) भा०द०वि० के अन्तर्गत सत्य पाया गया एवं आरोप पत्र समर्पित किया। अन्य अभियुक्तों के विरुद्ध अनुसंधान जारी है।

12/10/15  
(सुनील कुमार)

पुलिस अधीक्षक-सह-अनुसंधान पदाधिकारी  
निगरानी अन्वेषण ब्यूरो, पटना।

Checked by  
14/10/15  
Asser

Comd by  
14/10/15

Certified to be a true Copy  
Authorised by Act 1877

14/10/15  
Hindi Clerk  
Civil Court, Buzairpur





GOVERNOR'S SECRETARIAT, BIHAR  
RAJ BHAVAN, PATNA-800022

Speed Post

Letter No.-JPU(Appeal)-13/2016-1416/GS (I), Dated-  
From,

A.L. Srivastav  
Officer on Special Duty (Judl.)

To,

The Vice Chancellor,  
Jai Prakash University,  
Chapra

Sub.: Appeals filed by the teacher nameiy (I) Dr. Ajit Kumar Tiwary(II)Dr. Anil Kumar(III)Dr. Saroj Kumar Verma(IV)Dr. Gopal Prasad Arya(V)Dr. Anita (VI)Shri Vijay Pratap Kumar(VII)Dr. Dibanshu Kumar and (VIII) Dr. Ravi Prakash, "Babloo".

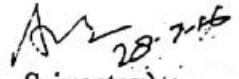
Ref.- Hearing held on 27.07.2016.

Sir,

I am directed to invite a reference to this Secretariat's letter no. JPU(Appeal)-13/2016-1298/GS(I), dated 15-07-2016 on the above subject and to enclose herewith a copy of the order dated 28.07.2016 passed by the Hon'ble Chancellor after hearing the concerned parties and the University for information and follow up necessary action forthwith under intimation to this secretariat.

Yours faithfully,

Encl.- As above.

  
(A.L. Srivastav)  
Officer on Special Duty (Judl.)

File No. - JPU-12/2016

Dr. Saroj Kumar Verma vs. J.P. University, Chapra

File No. - JPU-28/2016

Dr. Anil Kumar vs. J.P. University, Chapra

File No. - JPU-11/2016

Dr. Ajit Kumar Tiwari vs. J.P. University, Chapra

File No. - JPU-21/2016

Dr. Gopal Prasad Arya vs. J.P. University, Chapra

File No - JPU-13/2016

Dr. Anita vs. J.P. University, Chapra

File No. - JPU-25/2015

Dr. Dibanshu Kumar vs. J.P. University, Chapra

File No. - JPU-26/2014

Dr. Vijay Pratap Kumar vs. J.P. University, Chapra

&

File No. - JPU-27/2014

Dr. Ravi Prakash, 'Babloo' vs. J.P. University, Chapra

Order

28.07.2016

Since aforementioned all appeals relate with the suspension of the appellants. Hence for the sake of convenience all appeals are being decided by one and same order.

Facts of the cases in brief are that by an order contained under Memo No. 7254/R dated 19.12.2015, seven appellants were put under suspension with immediate effect by the authority under University. And by another order contained under Memo No. 7255/R dated 19.12.2015 the appellant Dr. Ravi Prakash 'Babloo' was put under suspension with immediate effect.

In both the orders it was stated that in compliance with the order of His Excellency the Governor-cum-Chancellor, J.P. University, Chapra contained in the letter of Sri A.L. Srivastav, O.S.D.(Judicial), bearing No. JPU-27/2015-1607/GS(1)

*P. K. Prasad*

dated 24.11.2015, the Vice Chancellor under Section 69(4) of the Bihar State Universities Act, 1976 as amended upto date, decided to place the appellants under suspension.

The appellants vide their Memo of appeals denied the allegations levelled against them and challenged the legality of impugned order of suspension and prayed for its quashing, mainly on the ground that the impugned orders of suspension are against the provisions of the B.S.U. Act and its Statute.

The University in its reply submitted that under direction of this Secretariat the appellants were put under suspension. The University subsequently constituted a committee to initiate departmental proceedings against the appellants and the committee was of the opinion that, "the suspension of these teachers may be revoked with a condition that neither they would be assigned any administrative responsibility nor would be nominated/selection/appointed to any statutory body/committee of the University till the pendency of the case in Hon'ble High Court. Also they may be transferred to other colleges/departments as punitive major after revocation of their suspension".

The University further submitted that an F.I.R. was lodged against the appellant Dr. R.P. 'Babloo' by the then Finance Officer in connection with missing of files.

Issues for consideration:-

**Whether the orders of suspension contained in Memo No. 7254/R and 7255/R dated 19.12.2015 are valid and legal?**

The impugned orders show that in compliance with the order of this Secretariat dated 24.11.2015, the Vice Chancellor decided to put the appellants under suspension. But from bare perusal of the contents of the letter dated 24.11.2015 issued under the sign of O.S.D.(Judicial), it appears that consequent upon submissions of the charge sheet against the appellant in Vigilance Case No. 10/2015, the Vice Chancellor, J.P. University, Chapra was asked to take disciplinary action against the appellants against whom the charge sheet has been submitted by the Vigilance.

*R. K. Singh*

The files reveal this fact that without initiating any disciplinary proceedings ~~without any show cause~~ to the appellants the authority under University put them under suspension, which is against the principle of natural justice as well as Clause 10 of General Conditions of Service of employees.

Clause 10(1) of the aforementioned statutory reads as follow:-

"A University servant should be placed under suspension for reasons to be recorded in writing and while doing so the following principles may be observed:-

- (i) If a University servant is being prosecuted on a criminal charge, he should be placed under suspension if he has been refused bail by the court and has been committed to prison.
- (ii) In cases of criminal prosecution, a University servant should be suspended if the charge against him is such that on being found guilty of it, he is likely to be sentenced to a term of imprisonment, or on which he would be dismissed or removed from service, in a departmental enquiry. In such cases however the order of suspension need not be passed in every case immediately after cognizance has been taken. In suitable cases it may be passed after charges have been framed".

It is to be mentioned here that during course of hearing it became clear that all the appellants were enlarged on bail and they were never in jail custody for a moment and the Vigilance Case is still pending before the Court.

In support of their contention the counsel for the appellants filed a copy of decision reported in 2011(1) PLJR, 453.

In the instant case the Hon'ble High Court, Patna has been pleased to observe that, "In the present, the documents indicate that when the suspension order was issued, no departmental proceeding has been initiated. Clause 10(ii) of the statute is very specific, that once a departmental proceeding is initiated and prima facie evidence is there, in support of the severe charges, suspension order can be issued. The departmental proceeding is presumed to have been initiated when charges are framed and served on the delinquent. The Enquiring and Conducting Officers are appointed, head office of the delinquent is fixed and the order is passed

*R. K. Singh*

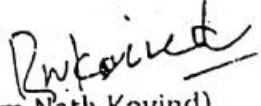
regarding payment of subsistence allowance. Unless these formalities are done, it cannot be said that departmental proceeding has been initiated".

The record shows that the impugned orders of suspension had not been issued subsequent to initiation of any departmental proceeding. Moreover, there is no dispute that on the date of issuance of suspension order the departmental proceeding was not initiated.

Therefore, considering the above facts and circumstances of the matters, I am of this view that the authority under University had no jurisdiction to issue orders of suspension contained under Memo No. 7254/R & 7255/R dated 19.12.2015 which is in violation of statutory provision as well as in violation of principles of natural justice.

Accordingly, the impugned orders of the suspension issued against the appellants are not sustainable and hence the same are quashed. Consequently the suspension orders of the appellants are revoked from the date of their suspension.

The authority under University is directed to notify this order positively by 30<sup>th</sup> July, 2016.

  
(Ram Nath Kovind)  
Chancellor of the University

Date:— 28.07.2016



# जय प्रकाश विश्वविद्यालय

राहुल सांकृत्यायन नगर, छपरा - 841301, बिहार (भारत)

**JAI PRAKASH UNIVERSITY**

RAHUL SANKRITYAYAN NAGAR, CHAPRA-841301, BIHAR (INDIA)  
Tel.No.06162-233121(O) 233600(R) FAX- 06162-233607(O)

Letter No.-7912-Est I (R)

Date:- 30.07.2016

## Notification

In compliance with the order of the Hon'ble Chancellor as contained in Governor's Secretariat letter no. JPU(appeal-13/2016-14i6/GS(1) dated 28.07.2016 the Vice-Chancellor has been pleased to revoke the suspension of the following teachers from the date of their suspension.

S.No.	Name	Colleges where headquarters fixed earlier
1.	Dr. Ajeet Kumar Tiwari Dept. of Economics, J.P. University, Chapra	Gopeshwar College, Hathwa
2.	Dr. Suroj Kumar Verma Dept. of Pol. Science, J. P. University, Chapra	Rajendra College, Chapra
3.	Prof. Anil Kumar Ex-Registrar, Ex OSD, J. P. University, Chapra	Narain College, Goreakothi
4.	Dept. of Physics, J. P. University, Chapra Sri. Gopal Pd. Arya Ex Director, Exam., Dept. of Psychology, J. P. University, Chapra	R.B.G.R. College, Maharajganj
5.	Dr. Anita, Dept. of Hindi, J. P. University, Chapra	Y.N. College, Dighwara
6.	Dr. Bijay Pratap Kumar Ex-Registrar, J. P. University, Chapra Presently, Dept. of Pscynology, Jagdam College, Chapra	H. R. College, Amnour
7.	Dr. Dibارشु Kumar Ex-Controller, J. P. University, Chapra Dept. of Sanskrit, J. P. University, Chapra	N.I.S. College, Daupur
8.	Dr. R. P. Babloo Ex-Registrar, J. P. University, Chapra Dept. of Philosophy, J. P. University, Chapra	H. R. College, Mairawa

Further, in the light of the recommendation of the committee constituted for departmental enquiry the aforesaid teachers are hereby transferred and posted with immediate effect until further order to the colleges where their headquarters were fixed during suspension; mentioned against their names as above.

Sd/-  
Registrar

Continued

Continued on 400

30.7.16



# जय प्रकाश विश्वविद्यालय

राहुल सांकृत्यायन नगर, छपरा - 841301, बिहार (भारत)

**JAI PRAKASH UNIVERSITY**

RAHUL SANKRITYAYAN NAGAR, CHAPRA-841301, BIHAR (INDIA)

Tel.No.06152-233121(O) 233509(R) FAX- 06152-233507(O)

Letter No.-7912-EST-I(R)

Date:-30.07.2016

Memo No.-

Date .....

Copy forwarded to :

1. Person concerned
2. Principal concerned colleges
3. Mr. A. L. Shrivastava, OSD(J), Raj Bhawan Patna
4. All Officers, J. P. University, Chapra;
5. F.A., J. P. University, Chapra
6. P.A. to Vice-Chancellor/Pro Vice-Chancellor/Registrar, J. P. University, Chapra:  
for information and necessary action.

*[Signature]*  
30.7.16  
Registrar

*[Signature]*  
30.7.16



# जय प्रकाश विश्वविद्यालय

राहुल सांकृत्यायन नगर, छपरा - 841301, बिहार (भारत)

**JAI PRAKASH UNIVERSITY**

RAHUL SANKRITYAYAN NAGAR, CHAPRA-841301, BIHAR (INDIA)  
Tel.No.06152-233121(O) 233509(R) FAX- 06152-233507(O)

Letter No.-.....

Dated:- .....

## Office Order

In compliance of the order of the His Excellency the Governor cum Chancellor, J. P. University Chapra, contained in the letter of Sri A. L. Shrivastav OSD(J) bearing No. JPU-27-2015-1607/रा.स.(1) dated 24.11.2015, the Hon'ble Vice-Chancellor, under section 69(4) of Bihar State Universities Act, 1976 as amended upto date has been pleased to place following employees under suspension with immediate effect.

During suspension period they are attached to the colleges stated against their names where they are required to report daily.

S.No.	Names	Places where attached
1.	Dr. Ajeet Kumar Tiwari, Dept. of Economics, J. P. University, Chapra	Gopeshwar College, Hathwa
2. ✓	Dr. Saroj Kumar Verma Dept. of Pol. Science, J. P. University, Chapra	N.L.S. College, Daudpur
3.	Prof. Anil Kumar Ex-Registrar, Ex OSD, J. P. University, Chapra, Dept. of Physics, J. P. University, Chapra	Narain College, Goreakothi
4.	Sri Gopal Pd. Arya Ex Director, Exam., Dept. of Psychology, J. P. University, Chapra	R.B.G.R. College, Maharajganj
5.	Dr. Anita. Dept. of Hindi, J. P. University, Chapra	Y.N. College, Dighiwarra
6.	Dr. Bijay Pratap Kumar Ex Registrar, J. P. University, Chapra Presently, Dept. of Psychology, Jagdam College, Chapra	H.R.College, Amnour
7.	Dr. Dibanshu Kumar Ex Controller, J. P. University, Chapra Dept. of Sanskrit, J. P. University, Chapra	N.L.S. College, Daudpur

Sd/-  
(Dr. Ashok Kumar)  
Registrar

Memo No. 7254/R

Dated-...19/12/15

Copy forwarded to :

1. Persons concerned
2. Principals, concerned Colleges
3. Principal Secretary, Governor's Secretariat, Raj Bhawan, Patna
4. Dr. A. L. Shrivastav OSD(J), Raj Bhawan, Patna
5. All Officers of the University
6. F.A., J. P. University, Chapra
7. F.O., J. P. University, Chapra
8. P.A. to VC/Pro VC./Registrar, J. P. University, Chapra  
for information and necessary action.

32/19/12/15  
Registrar

Doc13





GOVERNOR'S SECRETARIAT, BIHAR  
RAJ BHAVAN, PATNA-800022

Fax/Speed Po

Letter No. JPU-27/2014-

/GS(I),

Dated

From,

U.K. Choubey  
Additional Secretary

To,

The Vice Chancellor  
Jai Prakash University,  
Chapra.

Sub:- To revert back the services of Dr. Ravi Prakash (Bablu), Assistant Professor in R.B.G.R. College, Maharajganj.

Sir,

With reference to the subject noted above, I am directed to inform the Hon'ble Chancellor, after due consideration of the matter has been pleased to order to revert back the services of Dr. Ravi Prakash (Bablu), Assistant Professor to his parent College i.e. R.B.G.R. College, Maharajganj with immediate effect.

The Compliance report of the order of Hon'ble Chancellor be made immediately under intimation addressed to the Principal Secretary to Governor's Secretariat, Raj Bhawan, Patna-800022. His e-mail address [secy-gs-bih@nic.in](mailto:secy-gs-bih@nic.in). Fax number of Principal Secretary Cell is 0612-2786178.

Yours faithfully,

Sd/-

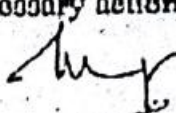
(U.K. Choubey)

Additional Secretary

Dated 26-11-2014

Memo No. JPU-27/2014-1595 /GS(I),

Copy forwarded to Dr. Ravi Prakash (Bablu), Assistant Professor R B G R. College, Maharajganj for information and necessary action.

  
26/11/2014  
Additional Secretary

116-1000006 Spl. Judge, Vigilance, North Bihar  
Vigilance case no. 10/2015 MYZabbanpur  
Spl. Case no. 03/15

-371-



राज्यपाल सचिवालय, बिहार

राजभवन, पटना-800022

संख्या-जे०पी०यू-21/2014 1294 रा.स(1),

दिनांक. 04.09.2015

प्रेषक,

ब्रजेश मेहरोत्रा  
राज्यपाल के प्रधान सचिव, बिहार  
राजभवन, पटना।

सेवा में,  
पुलिस अधीक्षक,  
निगरानी अन्वेषण ब्यूरो  
बिहार, पटना।

Seen

M. S. My...  
13/09/15

विषय:-निगरानी थाना कांड सं०-010/2015, दिनांक 30.01.2015  
धारा-409/420/467/468/477(ए)/34/120(बी)भा०द०वि० एवं  
धारा-13(2) सह-पठित धारा-13(1)(डी)भा०नि०अधि०, 1988 के  
अभियुक्त श्री द्विजेन्द्र गुप्ता, कुलपति, जय प्रकाश विश्वविद्यालय,  
छपरा के विरुद्ध धारा 19 भा०नि०अधि०, 1988 एवं धारा-197  
द०प्र०स० के प्रावधानों के तहत अभियोजन स्वीकृति हेतु प्रस्ताव।

महोदय,

निदेशानुसार उपर्युक्त विषयक विभागीय पत्रांक-एस०आर०  
-010/2015-निग०-1046/अप०शा०, दिनांक 18.06.2015 के संदर्भ  
में सूचित करना है कि महात्महिम राज्यपाल सह-कुलाधिपति, बिहार द्वारा  
निगरानी विभाग (अन्वेषण ब्यूरो), बिहार सरकार से प्राप्त प्रस्ताव पर  
सम्यक विचारोपरान्त निगरानी थाना कांड सं०-010/2015, दिनांक  
30.01.2015 धारा-409/ 420/ 467/ 468/ 477(ए)/34/  
120(बी)भा०द०वि० एवं धारा-13(2) सह-पठित धारा-13(1)(डी)  
भा०नि०अधि०, 1988 के अभियुक्त श्री द्विजेन्द्र गुप्ता, कुलपति, जय  
प्रकाश विश्वविद्यालय, छपरा के विरुद्ध धारा 19 भा०नि०अधि०, 1988  
एवं धारा-197 द०प्र०स० के प्रावधानों के तहत अभियोजन की स्वीकृति  
दिये की कृपा की गयी है।

अतः तदनुसार अग्रेतर कार्रवाई की जाय एवं कृत कार्रवाई से  
इस सचिवालय को माननीय कुलाधिपति महोदय के सूचनार्थ अवगत  
कराने की कृपा की जाय।

विश्वासभाजन

9/9/15  
(ब्रजेश मेहरोत्रा)

राज्यपाल के प्रधान सचिव, बिहार  
राजभवन, पटना।

1427/S.P.  
08-09-15

कृपा-1195  
8/9/15

1323 0170255

BIHAR  
JUDICIAL

14.10.2015

BIHAR  
375263

INDIA

GOVT. OF BIHAR  
REGISTRATION, EXCISE & PROHIBITION DEPT.  
MUZAFFARPUR, SCORE MUCART APTUR

COURT FEE

Authorization No. 3876

05001-4-bihar3

11. आरोप पत्रित अभियुक्त व्यक्तियों की विशिष्टियां (हरेक अभियुक्त के लिए अलग पन्ना उपयोग में लायें)

(Particulars of accused persons charge-sheeted)

- (i) \*नाम (Name)..... द्विजेन्द्र गुप्ता ..... सत्यापित है या नहीं: हाँ
- (ii) पिता/पति का नाम..... द्विजेन्द्र गुप्ता .....
- (iii) जन्म तिथि/वर्ष..... .....
- (iv) लिंग..... पुरुष ..... (v) राष्ट्रीयता..... भारतीय
- (vi) पारपत्र सं०..... निर्गम तिथि.....
- ..... निर्गम स्थान.....
- (vii) धर्म..... हिन्दू ..... (viii) क्या अनुसूचित जाति/अनुसूचित जन जाति के हैं।
- (ix) पेशा..... बुल पेशे ..... (x) पता..... पु.म. प्रकाश मिश्र, वि.म.ल.म
- ..... सत्यापित है या नहीं: हाँ ..... द.प्र.र.
- (xi) \*औपबंधिक अपराधि सं० (Provisional Criminal No.).....
- (xii) \*नियमित अपराधि सं०. (यदि ज्ञात हो) Regular Criminal No. (if known)
- (xiii) \*गिरफ्तारी की तिथि.....
- (xiv) \*जमानत पर रिहा होने की तिथि (Date of release on bail).....
- (xv) \*न्यायालय में अग्रसारण की तिथि (Date on which forwarded to Court).....
- (xvi) \*किन अधिनियमों एवं धाराओं के अधीन (Under Acts & Sections).....
- (xvii) \*जमानतदारों/प्रतिभूतिदाताओं का नाम और पता.....
- [Name(s) of bailers/Sureties and address(es)].....
- (xviii) केस निर्देशों सहित पूर्व दोष सिद्ध.....
- (xix) अभियुक्त की परिस्थिति (Status of the accused)
- अग्रसारित/पुलिस द्वारा जमानत पर रिहा/न्यायालय द्वारा जमानत पर रिहा/न्यायिक अभिरक्षा में/फरार/उद्घोषित अपराधी
- (Forwarded/Bailed by Police/Bailed by Court/In Judicial Custody/Absconding/Proclaimed offender)

12. ऐसे अभियुक्त व्यक्तियों की विशिष्टियां जो आरोप पत्रित नहीं (संदिग्ध) हैं। (हरेक संदिग्ध व्यक्ति के लिए अलग से पन्ना व्यवहार में लायें)

- (Particulars of accused Persons not charge sheeted (separate sheet for each suspect.)
- क्रम सं०
- (i) \*नाम (Name)..... सत्यापित है या नहीं.....
  - (ii) पिता/पति का नाम.....
  - (iii) जन्म तिथि/वर्ष.....
  - (iv) लिंग.....
  - (vi) पारपत्र सं०..... निर्गम तिथि..... (v) राष्ट्रीयता.....
  - (vii) धर्म..... निर्गम स्थान.....
  - (ix) पेशा..... (viii) क्या अनुसूचित जाति/अनुसूचित जन जाति के हैं।
  - ..... (xi) पता.....
  - ..... सत्यापित है या नहीं.....
  - (xi) \*औपबंधिक अपराधि सं० (Provisional Criminal No.).....
  - (xii) \*संदेह अनुमोदित (Suspicion Approved) (हाँ/नहीं) (Yes/No).....
  - (xiii) \*अभियुक्त [ संदिग्ध व्यक्ति ] का स्तर : पुलिस द्वारा जमानत पर रिहा/न्यायालय द्वारा जमानत पर रिहा/न्यायिक अभिरक्षा में/गिरफ्तार नहीं किया जा सका। (Status of the accused Suspect)(Bailed by Police/Bailed by Court/in Judicial Custody/Not arrested)
  - (xiv) किन अधिनियमों और धाराओं के अधीन.....
  - (xv) आरोप-पत्रित नहीं करने के कारणों सहित कोई विशेष अभ्युक्ति.....

The - 10/11/15 Spl. Judge. V. B. ... Bihar  
 Vigilance Case No. 10/15 ...  
 Spl. Case No. 2/15

32701  
 22/04/15

अनुसूची 47, प्रपत्र सं० 122  
 आ० ह० प्रपत्र सं० 32

SP/03/15

अंतिम प्रपत्र/रिपोर्ट

3271891  
 13.10.15

**(FINAL FORM/REPORT)**

(दण्ड प्र० संहिता की धारा-173/174 के अधीन)

मा० वि० म० ...  
 (In the court of)

- \*जिला... पटना \*क्षेत्र... निजाराती \*वर्ष... 2015 \*प्राथमिकी सं०... 10/15 \*दिनांक... 30-09-15  
 (Distt.) (P.S.) (Year) (FIR No.) (Date)
- \*अंतिम रिपोर्ट/आरोप पत्र सं०... 64/2015 3. \*तारीख... 12-10-2015  
 (Final Report/Charge Sheet No.) (DATED)
- [1] \*अधिनियम (Act)... अ.सि. 1988 — \*धाराएं (Sections)... 13(2) 142-पब्लिशिंग  
 [2] \*अधिनियम (Act)... अ.सि. 1988 — \*धाराएं (Sections)... 13(1) 14  
 [3] \*अधिनियम (Act)... अ.सि. 1988 — \*धाराएं (Sections)... 409/412/467/468  
 [4] \*अन्य अधिनियम एवं धाराएं (Other Acts & Sections) ... 477 (5) 134/120 (अ) ...
- \*अंतिम प्रपत्र/रिपोर्ट का प्रकार :- आरोप पत्र/साक्ष्य के अभाव में आरोप-पत्र नहीं दिया गया/अंतिम रिपोर्ट सत्य-पता नहीं था/अंतिम रिपोर्ट सत्य-खोज नहीं हो सकी/अंतिम रिपोर्ट सत्य अपराध उपस्थापित किया गया/अंतिम रिपोर्ट-नहीं चरित्त हुई।  
 (Type of Final Form/Report :- Charge Sheet/Not Charge Sheeted for want of evidence/FRT Undetected/  
 FRT Untraced/FRT offence abated/FR Unoccured)
- \*यदि अ० रि० अपघटित हो :- मिथ्या/तथ्यों की भूल/विधि की भूल/असंज्ञेय/दीवानी प्रकृति का  
 (If F. R. Unoccured : False/Mistake of Fact/Mistake of law/non-cognizable/Civil Nature.)
- \*यदि आरोप पत्र हो तो मूल/अनुपूरक  
 (If Charge-sheet-Original/Supplementary)
- \*अनुसंधान पदाधिकारी का नाम... सुनील कुमार पदनाम... पुलिस आ.सि. सं०...  
 (Name of I. O.) (Rank) (No.)
- [क] परिवादी/सूचनादाता का नाम... श्री. राम कुमार पोद्दार पुलिस अधीक्षक, निजाराती  
 [ख] पिताका/पति का नाम... स्व. श्री. शरमा, पोद्दार
- अनुसंधान के दौरान बरामद/जप्त ऐसी संपत्तियां/वस्तुओं/दस्तावेजों का विवरण जिन पर निर्धार किया गया हो। यदि आवश्यक हो तो अलगसे सूची संलग्न की जा सकती है।

क्रम सं०	सम्पत्ति का वर्णन	प्राक्कलित मूल्य (रूपये में)	धाना का संपत्ति रजिस्टर सं०	किससे/कहां बरामद या जप्त की गयी	निपटाय
1	2	3	4	5	6
	अभी सूची के अंतर्गत संपत्ति का श्लोक सं० देना है अंतिम है				

58260986 22E1

BIHAR JUDICIAL BIHAR

14.10.2015

375263

GOVT. OF BIHAR  
 REGISTRATION, EXCISE & INDUSTRIES DEPT.  
 MUMBAI FARPUR SCORE MUMBAI FARPUR  
 COURT FEE  
 Authorization No. 3876

11. आरोप पत्रित अभियुक्त व्यक्तियों की विशिष्टियां (हरेक अभियुक्त के लिए अलग पन्ना उपयोग में लायें)  
(Particulars of accused persons charge-sheeted)

- (i) \*नाम (Name)..... विजेन्द्र कुमार ..... सत्यापित है या नहीं: हाँ
- (ii) पिता/पति का नाम..... विजेन्द्र कुमार .....
- (iii) जन्म तिथि/वर्ष.....
- (iv) लिंग..... पुरुष ..... (v) राष्ट्रीयता..... भारतीय
- (vi) पारम्पर सं०..... निर्गम तिथि.....  
निर्गम स्थान.....
- (vii) धर्म..... हिन्दू ..... (viii) क्या अनुसूचित जाति/अनुसूचित जन जाति के हैं।
- (ix) पेशा..... बुलमी ..... (x) पता..... ग्राम फाथ, पिथौरा, दिल्ली  
..... सत्यापित है या नहीं: हाँ ..... दि. १२.१२.२०१९
- (xi) \*औपबधिक अपराधि सं० (Provisional Criminal No.).....
- (xii) \*नियमित अपराधि सं० (यदि ज्ञात हो) Regular Criminal No. (if known)
- (xiii) \*गिरफ्तारी की तिथि.....
- (xiv) \*जमानत पर रिहा होने की तिथि (Date of release on bail).....
- (xv) \*न्यायालय में अग्रसारण की तिथि (Date on which forwarded to Court).....
- (xvi) \*किन अधिनियमों एवं धाराओं के अधीन (Under Acts & Sections).....
- (xvii) \*जमानतदारों/प्रतिभूतिदाताओं का नाम और पता.....  
[Name(s) of bailers/Sureties and address(es)].....
- (xviii) केस निर्देशों सहित पूर्व दोष सिद्धि.....
- (xix) अभियुक्त की परिस्थिति (Status of the accused)  
अग्रसारित/पुलिस द्वारा जमानत पर रिहा/न्यायालय द्वारा जमानत पर रिहा/न्यायिक अभिरक्षा में/फरार/उद्घोषित अपराधी  
(Forwarded/Bailed by Police/Bailed by Court/In Judicial Custody/Absconding/Proclaimed offender)

12. ऐसे अभियुक्त व्यक्तियों की विशिष्टियां जो आरोप पत्रित नहीं (संदिग्ध) हैं। (हरेक संदिग्ध व्यक्ति के लिए अलग से पन्ना व्यवहार में लायें)  
(Particulars of accused Persons not charge-sheeted (separate sheet for each suspect).)

- क्रम सं०
- (i) \*नाम (Name)..... सत्यापित है या नहीं.....
- (ii) पिता/पति का नाम.....
- (iii) जन्म तिथि/वर्ष.....
- (iv) लिंग.....
- (vi) पारम्पर सं०..... निर्गम तिथि..... (v) राष्ट्रीयता.....  
निर्गम स्थान.....
- (vii) धर्म.....
- (ix) पेशा..... (viii) क्या अनुसूचित जाति/अनुसूचित जन जाति के हैं।
- (xi) \*औपबधिक अपराधि सं० (Provisional Criminal No.)..... सत्यापित है या नहीं.....
- (xii) \*संदेह अनुमोदित (Suspicion Approved) (हाँ/नहीं) (Yes/No).....
- (xiii) \*अभियुक्त [ संदिग्ध व्यक्ति ] का स्तर : पुलिस द्वारा जमानत पर रिहा/न्यायालय द्वारा जमानत पर रिहा/न्यायिक अभिरक्षा में/गिरफ्तार नहीं किया जा सका। (Status of the accused Suspect)(Bailed by Police/Bailed by Court/in Judicial Custody/Not arrested).....
- (xiv) किन अधिनियमों और धाराओं के अधीन.....
- (xv) आरोप-पत्रित नहीं करने के कारणों सहित कोई विशेष अभ्युक्ति.....



CONFIDENTIAL

GOVERNOR'S SECRETARIAT, BIHAR  
RAJ BHAVAN, PATNA-800022

Letter No. JPU-21/2014- 1628 /GS(I), Dated- 02.12.2015

From,  
Brijesh Mehrotra  
Principal Secretary to Governor

To,  
Prof. Dwijendra Kumar Gupta  
The Vice Chancellor  
Jai Prakash University,  
Chapra.

Sir,

With reference to the show cause vide Governor Secretariat's letter no. JPU-21/2014-1495/GS(I), dated 26.10.2015, I am directed to enclose herewith a copy of the order dated 02.12.2015; passed by Hon'ble Chancellor, Jai Prakash University, Chapra for your information and compliance of the Order, as desired therein.

Yours faithfully,

Sd/-

(Brijesh Mehrotra)

Principal Secretary to Governor

Encl. Order sheet

Memo No. JPU-21/2014- 1628 /GS(I), Dated- 02.12.2015

Copy alongwith copy of the order dated 02.12.2015 passed by Hon'ble Chancellor, Jai Prakash University, Chapra forwarded to Principal Secretary, Education Dept. Govt. of Bihar/Pro-Vice-Chancellor, J.P. University, Chapra for information and necessary action.

B. Mehrotra  
21/12/15  
Principal Secretary to Governor

447

ORDER

WHEREAS there were serious allegations of financial irregularities and of criminal misconducts committed/done by Prof. Dwijendra K. Gupta, the Vice Chancellor, Jai Prakash University, Chapra for which the Vigilance Investigation Bureau of the State Government had submitted a Preliminary Enquiry Report against Prof. Gupta which lead to the institution of a First Information Report for the offences alleged to have been made under Sections 409, 420, 467, 468, 471, 477(A)/34/120B of the Indian Penal Code and Section 13(2) read with Section 13(1)(d) of the Prevention of Corruption Act, 1988 (Vigilance Case No. 10/15) against him and subsequently, I accorded sanction of prosecution for the same. Consequently, the Vigilance Investigation Bureau submitted the charge sheet on 12.10.15 (charge sheet no. 64/15) in the Vigilance Court, whereby and whereunder the allegations U/s 409, 420, 467, 468, 477(A)/34/120B of the IPC and the same U/s 13(2) read with Section 13(1)(d) were found to be true.

AND

WHEREAS after careful examination and consideration of the entire facts and circumstances, I had ordered on 26<sup>th</sup> October 2015 for issuance of a show cause to the Vice Chancellor Prof. Dwijendra K. Gupta under provisions of Section 11(2) of the Bihar State Universities Act, 1976 (as amended up to date) which was issued on the same day granting him a fortnight time to submit his explanation/show cause failing which it was to be presumed that he had nothing to say against the charges leveled against him; The said show cause notice was duly served to him on 26.10.2015.

AND

WHEREAS the Vice Chancellor has yet not submitted his explanation/show cause in compliance of the direction of the Chancellor, and, instead of doing so, the Vice Chancellor has sought for certain papers from this Secretariat, most of which has either been given to him

*[Handwritten signature]*

along with the Police Papers, QR for which this Secretariat is not the right place to seek for which is certainly a delay tactic on part of the Vice Chancellor Prof. Gupta to avoid the show cause notice and in such a situation it is assumed that the Vice Chancellor Prof. Gupta has nothing to say;

AND

WHEREAS after careful examination and consideration of the entire facts and circumstances and after perusal of all the materials placed before me, I am of the firm view that the Vice Chancellor Prof. Gupta has failed to discharge the duty imposed upon him by or under provisions of the Bihar State Universities Act, 1976, the Statutes framed there under and the directions issued on behalf of the Chancellor as the head of the University and that he has acted in manner prejudicial to the interest of the University and also he is incapable of managing the affairs of the University and as a consequence of that, action under section 11(1) of the Bihar State Universities Act, 1976 is required to be taken against him;

AND

WHEREAS I have already consulted the State Government in the matter; I, Ram Nath Kovind, Chancellor, Jai Prakash University, Chapra in exercise of the powers conferred upon me U/s 11(1) of the Bihar State Universities Act, 1976 (as amended up to date) hereby direct Prof. Dwijendra K. Gupta, Vice Chancellor, Jai Prakash University, Chapra to submit his resignation on 02.12.2015 failing which it shall be deemed as stipulated U/s 11(3) of the Bihar State Universities Act, 1976 that the said Prof. Dwijendra K. Gupta has resigned from his post and the office of the Vice Chancellor, Jai Prakash University, Chapra shall be deemed to be vacant on a regular basis.

Patna  
Date: 02.12.2015

*Ram Nath Kovind*  
( Ram Nath Kovind )  
Chancellor

Jai Prakash University, Chhapra





# जय प्रकाश विश्वविद्यालय

राहुल सांकृत्यायन नगर, छपरा - 841301, बिहार (भारत)

**JAI PRAKASH UNIVERSITY**

RAHUL SANKRITYAYAN NAGAR, CHAPRA-841301, BIHAR (INDIA)

Tel.No.06152-233121(O) 233509(R) FAX- 06152-233507(O)

Letter No. V.C. ~~537~~ 537

Dated:- 09/12/2015

## Office Order

In partial compliance of the letter no. JPU-27/2015-1607/रासो(1) dated 24.11.2015 of OSD (Judicial) Governor's Secretariat, Raj Bhawan, Patna the Hon'ble Vice-Chancellor has been pleased to remove Dr. Ravi Prakash 'Babloo' from the post of Registrar, J. P. University, Chapra relieving him from all the responsibilities such as CCDC and PRO of the University with the immediate effect. He is directed to join his parent organization R.B.G.R. College, Maharajganj, Siwan.

The Vice-Chancellor has also been pleased to appoint Prof. Ashok Kumar HOD P.G. Deptt. of Chemistry as Registrar, J. P. University for interim period till incumbent Registrar is appointed by the Hon'ble Chancellor.

By the order of the Hon'ble Vice-Chancellor

Sd/-

(S.A. Atta)

Controller of Exams.  
& Registrar In Charge

VC 537  
Memo No. ....)

Dated-09/12/2015

Copy forwarded to :

1. Dr. R. P. Babloo, the present Registrar, J.P.Univ., Chapra
2. Prof. Ashok Kumar, HOD Deptt. of Chemistry, J.P. Univ., Chapra
3. Principal Secretary to the Governor of Bihar, Raj Bhawan, Patna.
4. Principal Secretary, HRD, Govt. of Bihar, Patna.
5. All the Officers of the University
6. All the Dean/Head (P.G. Deptt.) J.P.University, Chapra
7. All the Principals of J. P. University, Chapra.
8. P.A. to VC/Pro VC.

for information and necessary action.

S.A. Atta  
9.12.15  
Controller of Exams.  
& Registrar In Charge

Doc1

GOVT. OF BIHAR  
Registrar, Excise & Prohibition Dept.  
Gopalganj, Gopalganj.  
COURT FEE



भारत  
STAMP DUTY  
0 0 0 0 0

बिहार  
JUDICIAL

20 5 2013

BIHAR

374144

INDIA

•• Zero • Zero • Zero • Zero • Zero • Zero • Five •

9977 1131866

Authorization No. 2210.  
धायतिय मं

27-5-13

श्रीमान् मुख्य न्यायिक अधिकारी,  
गोड-जिला-गोपालगंज

1239

2013

सीमा बाह मं. अ. -

निम्ना देवी जीजे संजय महतो साह केसल धाना बरंगो  
जिला गोपालगंज परिवारिकीनी

Case/9695/14

बनाम

रीयाकाशा कल्लु वल्लु अंभुकाशा कल्लु साह केसल  
धाना बरंगो जिला गोपालगंज

अन्दर धारा:- 323, 452, 392, 390, 354, भा. अ. वि.

घटना तिथि को समय :- 18-5-2013 समय 10 बजे दिना

नाम गवाहान :- श्री विकास कुमार

श्री रामानंद खान

श्री कल्याण

अलावे और भी गवाहान है जो घटना देखे है

वाक पर गवाही देगे ।

C-1239/13

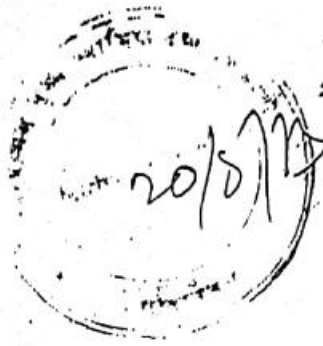
द. 4.11/13

S.P.

निभा देवी W/P संवय

अ. 45-201. गा. वेतलु देवीजंठ  
आता. नौली-वि. गोपालजंठ  
वेता. गृही

चटना 3 दिन 2 दिव शांतिवाहनपय  
10.80 नवे दिनसभत रसिप्रसाद  
उक्त नल्लु मेरे प्रसादके उमान  
प्रसाद हमीदने आर/ 25 रूपय रा-  
प्रसाद भागे। मे प्रसाद देदी।  
तो बोले कि इतना ही प्रसाद हुआ  
तो मैं बोली कि इतना ही होना ही  
रसि वात परगावी देने का तो  
मैं चले अक्षर चली गई।  
तो मुझे फोटा फुड रा. भाषिणे  
धमरी दिग्दि उमान हटना देतो।



नालिस

परिवादिनी श्रीमान् ने निम्नलिखित निवेदन करती है :-

1. यह कि परिवादिनी के परिवारकी ही नकदी भवा ने खेलसह पीरसीर मे प्रसाद का दुकान चलाता है तथा वही पर रहता है। कुछ लोग पूर्व मे दुकान बटाने वास्ते धमकी दिये थे जिसका शनहा परिवादिनी के पुत्र विकास कुमार ने दिया था।

2. यह कि घटना तीर्थ वो समय को अभियुक्त परिवादिनी के दुकान पर गया तथा 25 रुपये के प्रसाद को माग किया तो परिवादिनी ने रुपये लेकर प्रसाद दे दिया प्रसाद कम बताकर अभियुक्त परिवादिनी को चाली गलौज करने लगा इस पर परिवादिनी अन्दर चली गयी तो अभियुक्त

घर के अन्दर प्रवेश कर गया तथा परिवादिनी का बाल पकड़कर पटक दिया तथा लात मुक्का से मारने लगा जिससे

*[Handwritten signature]*

परि

मो लडका मित्रां तयाने  
आपा तो उले मी मी  
गवाह न मगज डडाल  
नलगाते गिराजिन प्रसद  
डिट दिली न किरा रे मी जे  
ती न ववा (मन लोप पापारी  
थी न व मी लेस न ले गान  
थाना पागरी मी डेवा वाटे न ही  
डुई नो

Tran  
→

मेरे गांव जे रडिना मुभाळी  
न ही वा न ले ही



~~A~~  
27.5.13

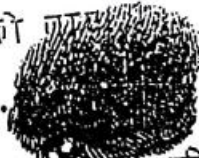


परिवादनी जखमी हो गयी और परिवादनी का एक कपड़ा  
पटने के वजह से अज्ञानता अवस्था में हो गयी तथा लज्जित हुई।

130- यह कि अभिभूत दुकान के लो प्रसाद को छुड़ दिया  
तथा दुकान के पिको का स्वधा मो0-3750/- स्वधा घर में से  
निकाल लिया तथा भाग गया। दुकान के स्वधा को 42/6, 20, 60/20  
का सामान गट्ट हो जाया / -

148- यह कि इस घटना को सुनना परिवादनी धाना को  
दिवा परन्तु धाना ने कोई कार्यवाही नहीं लिखा तो  
परिवादनी यह नारिलत आज साक्षात् कर रही है।

अतः श्रीमान से प्रार्थना है कि अभिभूत पर  
सम्मान कर उचित सजा देने की कृपा को प्राप्त



मै "परिवादनी" निभा देवी यह नारिलत लिखवायी छपवायी  
छपने के बाद तैयार होने पर पढ़ वो पढ़वाकर सुन वो समझली  
तथा सही पाकर अपनी ह0/ या निग बना दी। समो0-  
गोप लिंगल  
आज बता0 :- 20.5.13



*[Handwritten signature]*  
20.5.13

Per Case No. 4695/2014 B/C

Deposition of witness No. Pw-1 for the

aged about 45 take on solemn affirm on the

10 day of 9 2015

My name कदुजान

I am son of मोलाली

My age is 40 years. I am by religion

My nationality is and I belong to

schedule caste/ schedule Tribe

My home is at mauza दस्तांगी Police Station दिल्ली

District दिल्ली

I reside at present in Mauza Police station

District दिल्ली where I am

बयान का अन्तर्गत मुझ परीक्षण - B/C

धरना शर्क चार मरद पूर्व खेतप 10 बजे सुबह की है।  
 25 ड. का उलाव राति उकाश लिए है।  
 कपडा लाने पर बुकान वाली फेला सांगी उनका गीना देगी  
 तब फेला देन है मना लिए पुखाव कत कहु के  
 रही है। उजी रात पर उलाव तगोट्ट हित  
 दिव, जोत मुझा छ मरद मुझा कापडा कागड दिव  
 प्रथम लौट दिव रावे। 7 एका उला उलाय प्रोगी।  
 20 एका का खान उलाय उलाय।

उति परीक्षण न्याय पर B/C

निका ली का पर बेल लर है। राति उकाश का  
 पर एपण है।  
 उति उकाश जोले लर है, लौट वरगान के रनिहायक  
 कागड प्रनिहायक है।

3. वेल्जस 2 नमों वाली मोहर चार पाँच लगी है  
पश्चिम दिशा में है।

4. वहाँ दो तीन डुमन हैं। दो किछर मोहर दो उमर का  
डुमन कटकर है। दो तीन नकल का डुमन

5. धरना खल के उत्तर नन्दे को दूधनाथ का डुमन, दक्षिण  
संग्राम पान का डुमन म डुमन पूरव में सतगती जमीन है,  
पश्चिम में रास है।



AVS 10.9.15  
JMN



GOVT. OF BIHAR  
REGISTRATION, EXCISE & PROMOTION DEPT.  
GOPALGANJ SCORER, GOPALGANJ

भारत STAMP DUTY

बिहार  
JUDICIAL

1615750  
6004

00000

00000005

21 10 2013

COURT FEE

Authorization No. 2632

INDIA

375288

BIHAR

31/10/13

145  
146

न्यायालय में,

श्रीमान् मुख्य न्यायिक दण्डाधिकारी

मो० गोपालगंज जिला गोपालगंज

सी० वाद संख्या - 2136 / 2013

नाम मुद्दई :- रीना देवी जोजे भोला यादव ता०- माधोपुर थाना-

बरौली जिला गोपालगंज । 3 म 56 अक्ष

ब्लाम

नाम मुदालहम :-

- 1- रीवन्द प्रसाद गुप्ता वल्द स्व० जगद्विन प्रसाद गुप्ता 3 म 45 अक्ष
- 2- राजेश्वर यादव वल्द जगन्नाथ यादव 3 म 40 अक्ष
- 3- वैद्यनाथ यादव वल्द हरिनन्दन यादव 3 म 55 अक्ष

सभी साक्षिान मौजा माधोपुर थाना बरौली जिला गोपालगंज ।

4- रीव प्रकाशा उर्फ बबलू वल्द ओम प्रकाश श्रीवास्तव 3 म 52 अक्ष

ता० बेलसई थाना बरौली जिला गोपालगंज ।

नाम गवाहान :-

- 1- सनम कुमारी पुत्री भोला यादव



2- विट्टू कुमार वल्द भोला यादव

3- लक्ष्मी साह वल्द स्व० नथुनी साह

4- हरिहर महतो वल्द गिरगिट महतो

सभी साक्षिमान मौजा माधोपुर थाना बरौली जिला गोपालगंज ।

घटना तिथि वो समय :- 14 सितम्बर 2011 से लगायत दिनसंक-

3-10-2013 रोज वृहस्पतिवार तक ।

अन्तर्गत धारा - 323, 354, 367, 379/34 भा० द० वि०

मुद्दिया निम्नलिखित विनय निवेदन करती है :-

1- यह कि मुद्दिया सब मुद्दिया के पति भोला यादव स्वयं  
मुदालह सं० 2 वो 3 आपस में पड़ोसी हैं ।

2- यह कि 14 सितम्बर 2011 को मुदालह संख्या 2 वो 3

मुदालह संख्या एक को अपने दरवाजे पर बुलाये वो तीनों मुद्दिया

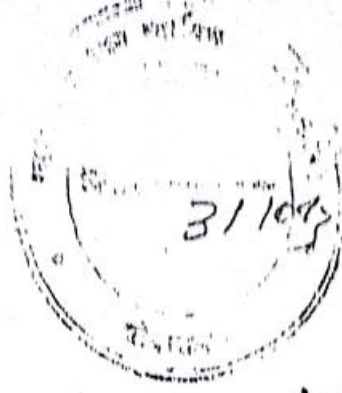
के दरवाजे पर आये वो मुद्दिया तथा उसके पति से कहे कि हमलोग

तुम्हें 2000/- दो हजार रुपया का महीना देंगे, याना, कपड़ा

अलग से देंगे । तुम यात्री होटल गोपालगंज में काम करोगे तथा

Handwritten signature

31/09/13



मुदालह संख्या एक भी जो अपने को यात्री होटल का प्रबंधक बतलाये

वो कहे कि तनखाह हर महीना मिल जायगा । इसपर विश्वास करके

मुदईया के पति होटल में काम करने गोपालराज आए गये ।

3- यह कि बिगत अगस्त 2013 के पहले हर माह का तनखाह

मुदईया के पास पहुँच जाता था वो मुदईया भी कभी कभार होटल

पर आकर अपने पति से मुलाकात कर जाती थी ।

4- यह कि अगस्त 2013 का तनखाह मुदालहम मुदई को नहीं

दिए तो मुदई यात्री होटल आयी वो आकर अपने पति से मुलाकात

करने के लिए खोज किया लेकिन उनसे कहीं मुलाकात नहीं हुई तो

पूछताछ किया तो मालूम हुआ मुदईया के पति को मुदालह संख्या

5 चार बुलाकर कहीं ले गये हैं । ये आ जायेंगे ।

5- यह कि मुदई ग्राम बेलसह गई तो वहाँ भी पता नहीं चला ।

6- यह कि मुदई कई बार गोपालराज होटल यात्री आयी ।

अंत में 3-10-13 को सुबह होटल पहुँची तो मुदालह संख्या एक रीवन्द

Handwritten signature and number 311013



-4-

पुसाद मुद्दईया को गाली गलौज किये वो मुक्का - थप्पड़ से मारपीट  
 किये वो मुद्दईया के नाम का सोने का कील कीमती मो०-1000/-  
 एक हजार रु० का छीन लिये वो कहे कि हम तुम्हारे पति को नहीं  
 जानते हैं ।

7- यह कि सभी मुदालहम एक राय वो एक जमात होकर मुद्दईया  
 के पति का जान मारने की नियत से अपहरण कर लिये हैं ।

अतः श्रीमान् से प्रार्थना है कि मुदालहम को आहूत कर उन्हें  
 उनके अपराध के लिए उचित दण्ड दिया जाय ।

प्रार्थी मुद्दई

श्री रीना देवी

मैं रीना देवी यह नास्तिल लिखवायी, छपवायी तथा छपने के बाद  
 पढ़ वो पढ़वाकर सुन वो समझ ली तथा सही लिखा पाकर अपना ह०  
 या निका बना दी । मो० गोपालभांज दिनांक 3/10/13

श्री रीना देवी  
 3/10/13

प्रार्थी मुद्दई

श्री रीना देवी

जेनुसची 47, प्रपत्र सं-118  
आ० ह० प्रपत्र सं-26 (नियम-143)

135782

प्राथमिकी ( F.I.R. )  
(२० प्र० सं० को धारा 154 के अगुन)

1. जिला (Distt.) मुम्बई \*अनुमंडल (S. Div.) पूर \*धाना (P.S.) मुम्बई \*वर्ष (Yr.) २०१५ \*प्राथमिकी सं० (F.I.R. No.) २६०/१५ \*तिथि (Date) १६/१५

2. (I) \*अधिनियम (Act) मुद्रा दंड वि० \*धाराएं (Sections) ३५१/३५२/३२३  
 (II) \*अधिनियम (Act) X \*धाराएं (Sections) ५०५/५०६/३५  
 (III) \*अधिनियम (Act) X \*धाराएं (Sections) X  
 (IV) \*अन्य अधिनियम एवं धाराएं (Other Acts and Sections) \_\_\_\_\_

3. (क) \*अपराध की घटना (Occurance of offence) मुद्रा दंड \*दिन (Day) सिंक्रित \*तिथि से (Date from) १६/१०/१५ \*तिथि तक (Date to) \_\_\_\_\_  
 \*समयावधि (पहर) (Time period) ६:०० \*बजे से (Time from) ५:०० \*अपराध \*बजे तक (Time to) \_\_\_\_\_  
 (ख) धाना में प्राप्त सूचना तिथि १६/१०/१५ समय १७:०० बजे  
 (ग) प्राथमिकी दर्ज करने की तिथि १६/१०/१५ समय १७:०० बजे  
 (घ) धाना दैनिकी संदर्भ-प्रविष्टी सं० \_\_\_\_\_ समय १७:०० बजे

4. सूचना का प्रकार (Type of information) \*निश्चित/मौखिक (Written/Oral) \_\_\_\_\_

5. घटनास्थल - (क) धाना से दिशा एवं दूरी पूर १ क.मी. गलत सं० VIII  
 (ख) \*पता (Address) ग्राम राय सकाश विद्यालय द्वारा धाना - मुम्बई जिला लाल  
 (ग) धाना की सीमा से बाहर हाने की दशा में धाना का नाम \_\_\_\_\_ जिला \_\_\_\_\_

6. गिवादी/सूचना दाता :  
 (क) नाम राज मिश्र ५० वि०  
 (ख) पिता/पति का नाम राज सुनाय ५० वि०  
 (घ) राष्ट्रीयता भारतीय  
 (ङ) पारपत्र सं० \_\_\_\_\_ निर्गम तिथि \_\_\_\_\_ निर्गम स्थान \_\_\_\_\_  
 (च) पेशा नीकर  
 (छ) पता ग्राम आनंदी पुरी वी. वी. राय धाना सडक मुम्बई पुर  
वर्तमान वित्त प्रशासकरी जयप्रकाश विद्यालय धाना ३० जिला लाल

7. ज्ञात/सदिग्ध/अज्ञात अभियुक्त का विवरण (यदि आवश्यक हो तो अलग से पन्ना लगाएँ)

① सदिग्ध 15-20 आरक्षी आरक्षी

सदिग्ध व्यक्ति की शारीरिक विशेषताएँ, विरूपता तथा अन्य विवरण :-

*लिंग (Sex)	*जन्मतिथि (तिथि/मास/वर्ष) Date of Birth (Date/Month/Year)	*शारीरिक गठन (Build)	*ऊँचाई से० मी० में (Height in Cms)	*वर्ण (Complexion)	*पहचान चिह्न (Identification mark)
1.	2	3	4	5	6
-	-	-	-	-	-

*विरूपता/विलक्षणता (Deformities/ peculiarities)	*दाँत (Teeth)	*बाल (Hair)	*आँख (Eye)	*आदतें (Habits)	पहननेवा (Dress Habits)
7	8	9	10	11	12
-	-	-	-	-	-

*भाषा/बोली (Language/ Dialect)	*अन्य विशेषताएँ				
	*जले का निशान (Burn Mark)	*श्वेत कुष्ठ (Leucoderma)	*मिल (Mole)	*जखम चिह्न (Scar)	*गोदना (Tattoo)
13	14	15	16	17	18
-	-	-	-	-	-

यदि संशय उत्पन्न करने वाले सदिग्ध व्यक्ति के संबंध में कोई एक या अधिक विशेषताएँ हो जाएँ तो इन स्तरों में प्रविष्टि दी जाएगी। इसका उपयोग अनुसन्धानक के सहायता के तहत प्रारंभिक सुधार के प्रयोजन से हो सकता है।  
इस प्रकार बनाए गए आंकड़ों बाद में किसी सदिग्ध व्यक्ति को विभिन्न मामलों में, यदि कोई हो, से जोड़ेगा।  
अब कोई अभियुक्त गिरफ्तार किया जाए तब पूर्व-संदेह पर विचार के किए बिना सभी जातों से संबंधित व्यापक और पूर्ण आंकड़ों को तैयार किए जाएंगे।

रुवा में

धाना प्रचारी (धानाधर)

मुख्यालय पाना धर

विषय - कुछ भ्रष्ट लोगो के द्वारा विद्युत विद्यालय कार्यालय में धका-मुक्की जाली ग्लैज गैसी कर्कर के सौंपन्य में ।

महाराज

मिस्टर पूर्वक कला है कि आज दिनांक 16-10-2015 को क्षमार्थ 4 वजे जब मैं विद्युत विद्यालय के साथ कुछ संचिकाओं पर विचार विमर्श कर रहा था उसी समय अपने को राजेन्द्र कॉलेज जयप्रकाश महिला कॉलेज एवं गैसी विद्युत कॉलेज के साथ सौंपन्य कर्पारी बताते हुए लगभग 15-20 आदमी कक्ष में प्रवेश किये । प्रवेश जाली ग्लैज एवं धका-मुक्की करने लगे । पुछने पर किसी ने अनुचित जबाब नही दिया और धकीलते हुए सीधे सीधे कुलपति कक्ष तक ले गये । वहा पर कुल सचिव भी उपस्थित थे । जब मैंने सारी बातें बताई तब कुलपति एवं कुल सचिव बोले पड़े कि एलोग सामंजित कर्मचारी हैं और इनका मुगतान नही हो रहा है इसीलिए ये लोग मारपीट पर अमदा है । वहा भी इन व्यक्तियों ने उनके मनो कुलपति मुगतान की अनुमति नही किये जाने पर जान से मारने की धमकी दी और दो तीन आदमी के हाथ में अर्धशक्ति भस्त्र जिसे दीरकाफर मुक्की धमकाया गया । इन लोगों का मुगतान मान्य है या नही यह किये की जाच समिति का बुद्धा है - यह पत्रान पर ये लोग बघ बी जाली ग्लैज करने लगे और भस्त्र दिखा कर धमकी देते लगे ।

श्री मान से निवेदन है कि मैं उक्त शोज से पिडीत हू जिसकारण निम्न यदना

Registered Muzak J.P.S. Case No 86015 dt. 16.10.15 U/S 391/392/323/504/506/392 PC  
S.I. Prabhat Kumar Willing to withdraw the case. Date 16.10.15  
Muzak J.P.S.

रेज चलना रेज बोलना मुकना आदि चिह्नक  
के प्रारंभ से वर्जित है।

पुनः निवेदन है कि इस आलेख में  
उपरोक्त कार्यवाही रही होने पर ये लोग  
किसी भी समझ आपराधीक आरदात कर मुकले  
से बाज नहीं आयेगे। उन लोगों लोगों ने  
कुलपति एवं कुलसचिव के समक्ष भी भी  
घोषणा की कि कलकत्ता यूजी (मुगतान) नहीं  
होने पर (मनोवादीत मुगतान) जिन्दा नहीं  
बचेगे। इस पर दोनो वरीय पदाधिकारी भी  
आ मुक समझन महकुम किया जाता।

निवेदन है कि विश्व विद्यालय में  
सुरक्षा के निमित्त पुरुष संख्या 5.1.5 गाई रखे  
जये है जिन लोगों के द्वारा सुरक्षा एवं रक्ष  
धाम की कोई कारवाई नहीं की गई च्यादि  
ये लोग वरीय पदाधिकारी के द्वारा पंथित  
है और इनके मुगतान पर लगभग 500000  
(पाँच लाख) रु अधिक की राशि का अयोजन  
हो रहा है।

भी मान से निवेदन है कि  
मुझे सुरक्षा प्रदान करते हुए कानूनी कारवाई  
अकिणम सुनीहित हो जाय।

इसके लिए मैं भी माय  
का आभारी रहूंगा।

राजकिमोर प्र० सिन्हा (60 वर्ष)  
पुत्र - स्व रघुनाथ प्र० सिंह  
ग्राम - आनीपुरी  
वी.वी.डी.  
भाना - खदर मुजफ्फरपुर  
8676025989

आपका  
विश्वासी  
[Signature]  
16/10/2015  
(राजकिमोर प्र० सिन्हा)  
वित्त. पदाधिकारी  
जमशेदपुर वि० वि० एम्स



पादि का लिखित आवेदन जो इस कार्य का  
मूल आधार है का मूल शरी मूल के साथ  
एव हामा शरी अम्स के साथ खंगलाम्नी

16/10/15  
पुप अ० 170  
दपरा कुपफखीलभता

गमी करवाई : चौक उपर्युक्त सूचना से नद सं० 2 में उल्लिखित धाराओं के अन्तर्गत अपराध किया जाना प्रकट होता है अतः कांड एवं  
गवा एवं अनुसंधान प्रारम्भ किया प्रधान कुभार पदनाम पुप अ० 170 का  
उपरोक्त धारा का दिशा दिया/अनुसंधान करने से इन्कार किया. अधिकारिता के प्रश्न पर ..... भाग को  
दिया गया। प्राथमिकी परिवार/सूचनादाता को पढ़कर सुनायो गया। उसने उसे सही रूप में अभिलिखित किया गया, पाकर स्वीकार  
और उसको एक प्रति परिवार/सूचनादाता को नि.शुल्क दी गयी। (Action taken : Since the above report reveals  
mission of offence (s) w/s as mentioned at Item No.. 2 registered the case and took up the investigation /  
ted" ..... Rank ..... to take up the investigation.)  
दी/सूचना दाता का हस्ताक्षर/अंगूठा का निशान।

के न्यायालय में प्रेषण की तिथि एवं समय -

16/10/15  
धारा प्रभारी का हस्ताक्षर

नाम (Name) प्रधान कुभार सिंह  
पदनाम (Designation) पुप अ० 170  
दपरा कुपफखीलभता

अनुगुणी 47, प्रपत्र सं०-118

(3)

8. परिवारी/सूचना दाता द्वारा सूचना देने में हुए विलंब का कारण : .....
9. चुरायी गई/अर्तग्रस्त/बरामद सम्पत्तियों के ब्योरे (यदि आवश्यक हों तो अलग से पन्ना लगायें)
10. \*चुराई गयी/अर्तग्रस्त/बरामद सम्पत्तियों का कुल मूल्य (Total Value of properties stolen/involved/recovered) ...
11. अस्थापाविक मृत्यु कांड सं०, यदि हो तो (U. D. Case No., if any) .....
12. प्राणमिकी की अन्तर्वस्तु (अलग से पन्ना लगायें, यदि आवश्यक हों)

जाए

पत्र सं-11  
नियम-145

प्राथमिकी (F.I.R.)

संख्या  
170769

(द. प्र. सं. को धारा 154 के अर्थात्)

26/2/15

अनुमंडल... \*धाना... \*प्रथमिकी सं. 346/15 \*तिथि 31/2/15

(S. Div.) (P.S.) (Yr.) (F.I.R. No.) (Date)  
अधिनियम (Act) धारें (Sections) 420/417/120(B)34

अधिनियम (Act) धारें (Sections) 347  
अधिनियम (Act) धारें (Sections) X

अन्य अधिनियम एवं धारें (Other Acts and Sections)

अपराध की घटना... \*दिन... \*तिथि से... \*तिथि तक

अपराध (Offence) (Day) (Date from) (Date to)

समय (Time period) (Time from) (Time to)

धाना में प्राप्त सूचना तिथि... समय...  
प्राथमिकी दर्ज करने की तिथि... समय...

(घ) धाना दैनिकी संदर्भ-प्रविष्टी सं. समय...

सूचना का प्रकार (Type of information) लिखित/मौखिक (Written/Oral)

अटनास्थल - (क) धाना में दिशा एवं दूरी... गत सं. VIII

(ख) \*पता (Address) ... जिला...

(ग) धाना की सीमा से बाहर होने की दशा में धाना का नाम...

परिवारी/सूचना दाता : (क) नाम... (ख) पिता/पति का नाम... (घ) राष्ट्रीयता...

(ग) जन्म-तिथि... निगम तिथि... निर्गम स्थान...

(ड.) पत्राचार सं. ...

(च) पेशा... (घ) धाना...

GOVT. OF BIHAR  
COURT FEE

INDIA  
BIHAR  
JUDICIAL  
595 9424

नाम/संदिग्ध/अज्ञात अभियुक्त का विवरण यदि आवश्यक हो तो अलग से भरना होगा।

① पूर्व राजपूत ② पूर्व ब्रजिया ③ पूर्व खडामक गुजरा ④ पूर्व स्वामिक राजीव कारभण शाला



संदिग्ध व्यक्ति की शारीरिक विशेषताएँ, विरूपता तथा अन्य विवरण :-

*लिंग (Sex)	*जन्मतिथि (तिथि/मास/वर्ष) (Date of Birth (Date/Month/Year)	*शारीरिक गठन (Build)	*ऊँचाई से मी. में (Height in Cms)	*वर्ण (Complexion)	*पहचान (Identification)
1	2	3	4	5	6

*विरूपता/विलक्षणता (Deformities/peculiarities)	*दाँत (Teeth)	*बाल (Hair)	*आँख (Eye)	*आदतें (Habits)	*पहनने का ढंग (Dress Habit)
7	8	9	10	11	12

*भाषा/बोली (Language/Dialect)	*अन्य विशेषताएँ				
	*जले का निशान (Bum Mark)	*श्वेत धुँट (Leucoderma)	*तिल (Mole)	*जखम चिह्न (Scar)	*गहना (Tattoo)
13	14	15	16	17	18

यदि परिधायी/इतिला देने वाले/पीड़ित व्यक्ति द्वारा संदिग्ध व्यक्ति को संबंध में कोई एक या अधिक फोटो/चित्रों के प्रमाण प्राप्त हो जायें। इसका उपयोग अनुसन्धानक के सहायता के साथ प्रारंभिक सुधार के प्रयोजन से हो किया जाएगा। इस प्रकार बनाए गए फोटो/चित्र में किसी संदिग्ध व्यक्ति को विभिन्न मातृकों, यदि कोई हो, में जाड़े। जब कोई अभियुक्त गिरफ्तार किया जाए तब पूर्व-संदिग्ध पर विचार के किए बिना सभी बातों से संबंधित व्यक्ति को अलग कर दिया जाएगा।

धानाध्यक्ष महोदय,  
मुख्य न्यायाधीश थाना, छपरा।



जं०पी० विश्वविद्यालय, छपरा के प्रशासनिक भवन के कुलपति कोषांग व वित्त शाखा से संबंधित कुछ महत्वपूर्ण मूल संचिकाएँ (जो पूर्व में सादी उत्तर पुरितका घोटाले से संबंधित निगरानी विभाग द्वारा दर्ज केस नं०- 10/2015 से संबंधित महत्वपूर्ण दस्तावेजी साक्ष्य था) के गायब होने के संबंध में।

महोदय

निवेदन है कि उपरोक्त तथ्यों के संदर्भ में विश्वविद्यालय परिसर स्थित प्रशासनिक वित्त शाखा, परीक्षा विभाग एवं कुलसचिव कोषांग से कई महत्वपूर्ण संचिकाएँ गायब हैं जो कि निगरानी विभाग द्वारा पूर्व में दर्ज प्राथमिकी सं०- 10/2015 से संबंधित महत्वपूर्ण दस्तावेजी साक्ष्य हैं, जो अभी तक प्राप्त नहीं हैं। इस संबंध में कुलपति कोषांग के पूर्व सहायक मुन्ना कुमार एवं राजीव नारायण प्रसाद से पूछताछ किया गया, लेकिन वे इस संबंध में अनभिज्ञता जताए। उपरोक्त मूल संचिकाएँ निगरानी विभाग द्वारा दर्ज सादी उत्तर-पुरितका घोटाले मामले से संबंधित मूल दस्तावेजी साक्ष्य हैं तथा उक्त भोक्तदगे के संदर्भ में गवनीय संजिभवन के आदेशानुसार पूर्व कुलपति व पूर्व रजिस्ट्रार व अन्य लोगों के विरुद्ध पदभ्रंश निमित्त की कारवाई की जा चुकी है तथा निगरानी केस में प्राथमिकी अभियुक्त होने के बावजूद भी पूर्व गी०पी० व पूर्व रजिस्ट्रार अपने पद पर कार्य, दिनों तक बने रहे। अतः उपरोक्त परिस्थिति व तथ्यों के संदर्भ में ऐसा प्रतीत होता है कि निगरानी केस के कुछ महत्वपूर्ण नामजद अभियुक्तों द्वारा उक्त संचिकाओं को, निगरानी केस में साक्ष्य नष्ट करने हेतु पूर्ण आपसोपिक साजिश के तहत अपना पद प्रभाव गिराना का दुरुपयोग करके हुए व पीटिंग, फोर्जरी व अमानत में खराबियों के भीयत से व निगरानी केस से बचने हेतु, गायब किया व कसबा गया है व उपरोक्त संचिकाओं को कारित किया गया है।

अतः निवेदन है कि उपरोक्त तथ्यों के संदर्भ में अतिरिक्त प्राथमिकी दर्ज करके हुए अपने स्तर से उचित कार्रवाई किया जाय व उपरोक्त गायब किये गए मूल संचिकाओं को तत्काल श्रमावे से यथाशीघ्र बरागद किया जाय ताकि निगरानी विभाग को ससमय उपलब्ध करवाया जा सके।

माननीय कुलपति के आदेश से

प्रमाण सचिव, राज्यपाल-सह-कुलाधिपति,  
बिहार प्रदेश  
पुलिस अधीक्षक-सह-अनुसंधानकर्ता, निगरानी  
कांड संख्या-10/2015, निगरानी अन्वेषण  
ब्यूरो, पटना

प्रार्थी  
श्री० उमाशंकर यादव  
कुलानुशासक  
जयप्रकाश विश्वविद्यालय, छपरा

RECEIVED

GOVT. OF BIHAR  
Sara n Score, Chapra  
COURT FEE

भारत  
INDIA  
RECEIVED  
JUDICIAL  
BIHAR  
4596 9729617

*[Handwritten signature]*  
22. 5/16

95  
27-16

*[Handwritten signature]*  
0.15



(\*)

पादिका का लिखित आवेदन जो एच काउंड का मूल आधार है का मूल प्रती मूल के साथ स्व. दामा प्रति अम के खान संजालाव है।

~~पुनर् विचार मालिका~~  
~~प्रमाण पत्र~~  
*[Handwritten signature]*  
20/10/16

21/11/15  
पु. ख. 27/16/01-1-15  
दफ्तर 2/15, अशोक नगर

कारवाई : चौकि उपर्युक्त सूचना में मद मं. 2 में उल्लिखित धाराओं के अन्तर्गत अपराध किया जाना प्रकट होता है अतः कांड दर्ज  
ना एवं अनुसंधान प्रारम्भ किया पु. ख. 27/16 रदनाम पु. ख. 27/16 का  
करने का निर्देश दिया/अनुसंधान करने में इन्कार किया/ अधिकारिता के प्रश्न पर पु. ख. 27/16 शाना को  
ज्या गया। प्राथमिकी परिवार/सूचनादाता को पढ़कर सुनायी गयी। उसने उसे सही रूप में अभिलिखित किया गया, पाकर स्वीकार  
: उसकी एक प्रति परिवार/सूचनादाता को निःशुल्क दी गयी। (Action taken : Since the above report reveals  
'tion of offence (s) as mentioned at Item No. 2 registered the case and took up the investigation /  
..... Rank ..... to take up the investigation.)  
ना दाता का हस्ताक्षर/अंगुठा का निशान  
दालय में प्रेषण की तिथि एवं समय -

*[Handwritten signature]*  
5-1-16

*[Handwritten signature]*  
5-1-16

धाना प्रभाग का इन्साफ

नाम (Name) जगन् नारायण

पदनाम (Designation) पु. ख. 27/16

12-1-15 57-1, 1 2/5 16

02.11.16

(3)

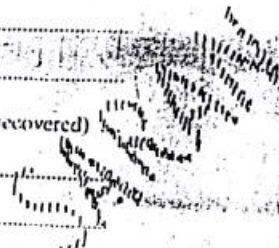
संख्या: 138/2016  
संज्ञक: 138/2016  
संज्ञक: 138/2016

पुस्तक एवं अन्य दस्तावेज सम्पत्तियों के ब्यौरे (यदि आवश्यक हो तो अलग से पना लगायें):

पुस्तक एवं अन्य दस्तावेज सम्पत्तियों का कुल मूल्य (Total Value of properties stolen/involved/recovered)

अन्वेषण संख्या कांड सं. यदि हो तो (U. D. Case No., if any)

सम्पत्तियों के अन्वेषण (अलग से पना लगायें, यदि आवश्यक हो)



RECEIVED  
02.11.16

GOVT. OF BIHAR  
Registration Ex. & Probation Deptt.  
Saran Sadra, Chapra  
COURT FEE  
Registration No. 2294

भारत  
000000  
भारत  
000000  
5.1.2016  
BIHAR  
JUDICIAL  
4597 5930598

Memorandum of Complaint

07/01/2016

प्राथमिकी (F.I.R.) संख्या 170970

(ये प्रो प्रो की भाग 154 के अधीन)

553

अपराध का स्थान: ... प्राथमिकी संख्या: ... तिथि: ...

(S. Div.)	(P.S.)	(P.O.)	(F.I.R. No.)	(Date)
प्राथमिकी (Act)	...	...	...	...
प्राथमिकी (Act)	...	...	...	...
प्राथमिकी (Act)	...	...	...	...
अन्य अधिनियम एवं भाग (Other Acts and Sections)	...	...	...	...

अपराध की घटना की तिथि से ... तिथि तक ...

समय (Time period) ... (Time from) ... (Time to) ...

घात में प्राप्त सूचना तिथि ... समय ...

प्राथमिकी दर्ज कछे की तिथि ... समय ...

घात दैनिकी संदर्भ-प्राप्त की तिथि ... समय ...

1. सूचना का प्रकार (Type of information) ...

2. घटनास्थल - (क) घात से दिशा एवं दूरी ...

(ख) \*पता (Address) ...

(ग) घात का सीमा से बाहर होने की दशा ...

3. परिचय/सूचना दाता : (क) नाम ...

(ख) पिता/पति का नाम ...

(ग) जन्म-तिथि ...

(घ) पारंपरिक सं ... निर्गम तिथि ... निर्गम स्थान ...

(च) पेशा ...

(छ) पता ...

वर्तमान जमाना जमाना विभाग ...



GOVT. OF BIHAR  
Registration Clerk's Office  
Saran Sadra Chapra  
COURT FEE

भारत  
STAMP DUTY  
00000  
REGISTRATION NO. 0000102  
375272  
INDIA  
2016  
BIHAR  
JUDICIAL

4600 0811506



सूची 47, अनुसूची 47, प्रपत्र सं०-118

(2)

7. ज्ञात/संदिग्ध/अज्ञात अभियुक्त का विवरण (यदि आवश्यक हो तो अलग से पन्ना लगाएं)

(1) निवृत्तमान कुलपति श्री जितेन्द्र शुक्ला के श्री आर०पी० बल्लभ तत्कालीन कुल सचिव नि.सं.सं. पश्चात् पदत्यागित एवं पद प्रत्येक श्रेय

संदिग्ध व्यक्ति की शारीरिक विशेषताएँ, विरूपता तथा अन्य विवरण :-

*लिंग (Sex)	*जन्मतिथि (तिथि/मास/वर्ष) Date of Birth (Date/Month/Year)	*शारीरिक गठन (Build)	*ऊँचाई से० मी० में (Height in Cms)	*वर्ण (Complexion)	*पहचान चिह्न (Identification mark)
1	2	3	4	5	6



*विरूपता/विलक्षणता (Deformities/peculiarities)	*दांत (Teeth)	*बाल (Hair)	*आँख (Eye)	*आदतें (Habits)	*पहरे (Dress Habit)
7	8	9	10	11	12

की ग  
कया  
अनुसं  
भंतरि  
कया  
:onm  
lirec  
रिवा  
शाना

*भाषा/बोली (Language/Dialect)	*जले का निशान (Bum Mark)	*श्वेत कुष्ठ (Leucoderma)	*तिल (Mole)	*जखम चिह्न (Scar)	*गोदना (Tattoo)
	13	14	15	16	17

यदि परिवारी/इत्तिला देने वाले/पीड़ित व्यक्ति द्वारा संदिग्ध व्यक्ति के संबंध में कोई एक या अधिक विजिप्तताये व ज्ञान संधि प्रविष्टियाँ की जाएंगी। इसका उपयोग अनुसन्धानक के सहायताथ केवल प्रारंभिक सुधार के प्रयोजन में ही किये जाएंगे।

इस प्रकार बनाए गए आँकड़े धार में किसी संदिग्ध व्यक्ति को विभिन्न मामलों, यदि कोई हो, में लाईंगा

जब कोई अभियुक्त गिरफ्तार किया जाए तब पूर्व-संदेह पर विचार के किए बिना सभी बातों में संतुलन कायम रखा जायेगा।

किए जाएंगे।

थानाध्यक्ष महोदय,  
मुफरिसल थाना, छपरा।

विषय:- विश्वविद्यालय कार्यालय से निगरानी थाना काण्ड संख्या- 10/2015 से संबंधित आवश्यक मूल अभिलेख/प्रदर्श/प्रमाणक उपलब्ध नहीं होने के संबंध में।

संदर्भ:- कुलसचिव द्वारा प्रदत्त मार्ग निर्देश एवं निगरानी अधीक्षक के पत्रांक 346/310क0 दिनांक 30.12.2015।

महाशय:

निवेदन है कि मैंने जयप्रकाश विश्वविद्यालय, छपरा में वित्त पदाधिकारी (कुलसचिव) पर महामहिम कुलाधिपति के आदेश से रथानांतरित होकर दिनांक 30.05.2015 को योगदान किया था।

मेरे योगदान के उपरान्त वित्त समिति, क्रय समिति (जिसका मैं गद्देन सदस्य (कुलसचिव) की संचिकायें, कार्यवृत्त की पुस्तिका एवं तत्संबंधी आवश्यक अभिलेख की मांग में करता रहा हूँ। निगरानी काण्ड संख्या-10/2015 में पुलिस अधीक्षक, निगरानी अन्वेषक द्वारा, पत्रांक 345/310क0 दिनांक 22.12.2015 के द्वारा, मूल अभिलेख की मांग करने के उपरान्त मैंने कार्यालय कर्मियों से संबंधित अभिलेख की मांग की।

वित्त समिति की एक संचिका जिसमें 09.07.2015 की बैठक आहूत करने का कुलपति के आदेश के उपरान्त कार्यवाही पूरी नहीं की गयी (सिर्फ सूचना प्रकाशन के अतिरिक्त) कार्यवृत्त का मूल अभिलेख अद्यतन प्राप्त है। तद्विगत प्रतियों में किसी राक्षस पदाधिकारी का हस्ताक्षर उपलब्ध नहीं है। इसी प्रकार क्रय-विक्रय समिति से संबंधित कोई अभिलेख गुडो देखने को नहीं मिला।

ज्ञातव्य हो कि वर्ष 2015-2016 के गाउचर के गार्ड फाईल या सारी उत्तर-पुस्तिका अथवा OMR Sheet के क्रय/आपूर्ति से संबंधित कोई भी अभिलेख तत्काल लगभग एक सप्ताह तक तृप्ताशी करने के बाद भी प्राप्त नहीं हो पाया है।

प्रतीत होता है कि निवर्तमान कुलपति डॉ० द्विजेन्द्र गुप्ता, तथा डॉ० आर० पी० बबलू-तत्कालीन कुलसचिव, नितम्बन पश्चात् पदस्थापित एच० आर० कॉलेज, मैरवा जो निगरानी काण्ड संख्या 10/2015 में क्रमशः अभियुक्त एवं सह अभियुक्त बनारो गये हैं, के द्वारा जगानात प्राप्त होने के बाद तैरे सारे आवश्यक मूल अभिलेख मायब कर दिये गये हैं जिनकी आवश्यकता एवं उपयोगिता बाद की सुनवाई के दौरान होनी है।

(1)

GOV. OF BIHAR  
Registrar, Legal Services Deptt.  
Saran, Sone, Chapra  
COURT FEE  
Authorisation No. 2294

भारत  
STAMPED  
00001  
575272  
INDIA  
5.1.2016  
Bihar  
4601 0116773

निवेदनपूर्वक सूचित करना है कि इस संबंध में माननीय कुलाधिपति, को आवेश प्राप्त है। अतः इस काण्ड की प्राथमिकी दर्ज कर आवश्यक कार्रवाई वी जाय ताकि मूल अर्जित प्राप्त कर ससमय निगरानी विभाग को उपलब्ध कराये जा सकें।

पिता का नाम-स्व० रघुनाथ प्रसाद सिंह  
मो०-आनन्दपुरी, बीबीगंज,  
थाना-सदर जिला-मुजफ्फरपुर

प्रार्थी  
(राज किशोर प्रसाद सिंह)  
वित्त पदाधिकारी  
जयप्रकाश विश्वविद्यालय, छपरा  
मो० सं०-8676025989

प्रतिनिधि प्रेषित:-

1. प्रधान सचिव, राज्यपाल-सह-कुलाधिपति, विहार पटना।
2. पुलिस अधीक्षक-सह-अनुसंधानकर्ता, निगरानी कांड संख्या-10/2016, निगरानी अन्वेषण ब्यूरो, पटना।

COMPLAINT ONLINE

GOVT. OF BIHAR  
LAW AND ORDER DEPT.  
Saran, Secy. Chandra  
COURT FEE  
Authorization No. 2294

भारत STATE DIST  
00000  
INDIA \*\*Zero Zero Zero Zero Zero Five  
375272 BIHAR  
JUDICIAL  
5.1.2016  
4602 8317754

मूल्य मूल्य का हानि मूल्य को से हुए सिफत का कारण :

कुल नष्ट सम्पत्ति का मूल्य (यदि आवश्यक हो तो अलग से पना लगायें)

10. चुरई गयी/अन्तर्ग्रन्त/बचपन सम्पत्तियों का कुल मूल्य (Total Value of properties stolen/involved/recovered)

11. अन्वेषण नुसु कांड सं, यदि हो तो (U. D. Case No., if any)

12. अधिका के अन्वेषण (अलग से पना लगायें, यदि आवश्यक हो)

STAMPED COURT

GOVT. OF BIHAR  
Registration and Probation Deptt.  
Saran Scribe Chaitra  
COURT FEE  
Authorization No. 2294

भारत  
STAMP LTD  
00000  
BIHAR JUDICIAL  
3.5272  
INDIA  
-5.1.2016  
BIHAR  
2094

श. 12015

10 128  
150  
2828

94  
2-1-16

सूची 47, प्रपत्र सं०-118

(4)



वार्ड का लिखित आवेदन जी. एच. शाह का  
मूल आधार है का मूल प्रति. प्रति के साथ  
एव दामा प्रति अन्व डे साथ संलग्न है।

5/1/16  
*[Signature]*

B. S. ...  
5/1/16  
इपटा उपक...

*[Signature]*  
5-1-16

की गयी कार्रवाई : चूंकि उपर्युक्त सूचना पद सं० 2 में उल्लिखित धाराओं के अन्तर्गत अपराध किया जाना प्रकट होता है अतः कांड दर्ज  
किया गया एवं अनुसंधान प्रारम्भ किया अमान उमरा पदनाम पु. उ. नि. का  
अनुसंधान करने का निर्देश दिया/अनुसंधान करने से इनकार किया/ अधिकारिता के प्रश्न पर ..... धाना को  
प्रंतरित किया गया। प्राथमिकी परिवारी/सूचनादाता को पढ़कर सुनायी गयी। उसने उसे सही रूप में अभिलिखित किया गया, पाकर रबीकार  
किया और उसकी एक प्रति परिवारी/सूचनादाता को निःशुल्क दी गयी। (Action taken : Since the above report reveals  
commission of offence (s) u/s as mentioned at Item No., 2 registered the case and took up the investigation /  
directed\* ..... Rank ..... to take up the investigation.)

*[Signature]*  
5-1-16

परिवारी/सूचना दाता का हस्ताक्षर/अंगूठा का निशान।  
धाना से न्यायालय में प्रेषण की तिथि एवं समय -

21/12/15  
धाना प्रभारी का हस्ताक्षर

नाम (Name) अ. उ. नि.  
पदनाम (Designation) पु. उ. नि.

2-1-16 | 12-1-16 | 5-1-16 | 5/1/16